दैनिक जयन्त
स्थापित : 1979
संस्थापक
स्व0 श्री नरेन्द्र उनियाल
वर्ष-44, अंक 239
कोटद्वार सोमवार
2 जनवरी 2023, पृष्ठ-8

गढ़वाल जनपद का प्रथम दैनिक

जयन्त

निर्भीक-निष्पक्ष-जनसरोकार

खबर बड़ी होती है, अखबार नहीं
दैनिक जयन्त
www.dainikjayantnews.com

कोटद्वार एवं गैरसैंण से प्रकाशित डाक पंजीयन यू.ए./पी.ए.ओ.07-2021-23 फोन नं0 01382-222383, मो0 नं0 8384897348, 9412081969 e-mail : dainikjayant@rediffmail.com, nagendra.uniyal@gmail.com मूल्य-2 रुपये

राजौरी में आतंकी हमला, दहशतगर्दों ने की फायरिंग

राजौरी, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के राजौरी स्थित डांगरी गांव में आतंकी हमला हुआ है। दहशतगर्दों ने साल के पहले दिन ही मासूम लोगों की निशाना बनाते हुए फायरिंग की। शुरुआती जानकारी के मुताबिक इस गोलीबारी में दो लोगों की मौत हो गई है और चार लोग घायल हैं।

हमले की सूचना पर मौके पर पहुंचे सुरक्षाकर्मियों ने पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी है और आतंकी की तलाश की जा रही है। हालांकि अभी तक यह नहीं पता चल पाया है कि गोलीबारी करने में कितने आतंकी थे।

नए साल पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर पहुंचे

देहरादून। घड़ी में रात 12 बजते ही उत्तराखंड में लोगों ने मौज-मस्ती और धूम धाम से नए साल का स्वागत किया। वहीं, सुबह लोगों ने मंदिरों में जाकर हाजिरी लगाई। नए साल पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर पहुंचे। पहाड़ से मैदान तक मंदिरों में भारी भीड़ नजर आई।

तड़के से ही दर्शन के लिए मंदिरों के बाहर लंबी-लंबी लाइन लगी रही।

राजधानी देहरादून के टपकेश्वर मंदिर सहित, हरिद्वार में हरकी पैड़ी और मनसा देवी मंदिर, हल्द्वानी के कालू सिद्ध मंदिर, केंची धाम, मां पूर्णागिरी धाम और गोलू देवता मंदिर में भारी भीड़ दिखी। वहीं, बड़ी संख्या में लोग हरकी पैड़ी गंगा स्नान के लिए पहुंचे।

राज्यपाल ने दी शुभकामनायें

देहरादून। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने आज नववर्ष 2023 के प्रथम दिन देहरादून के नानकसर गुरूद्वारा साहिब में मत्था टेककर और काली माता मंदिर हाथीबड़कला में पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों के उत्तम स्वास्थ्य, सुख-समृद्धि एवं खुशहाली के लिए कामना की।

राज्यपाल ने कामना की कि नववर्ष सभी के जीवन में उमंग, उल्लास व उन्नति लेकर आये।

वाहन दुर्घटना में चार लोग चोटिल

नई टिहरी। चंबा मसूरी सड़क मार्ग पर आराकोट गांव के समीप एक टैक्सी वाहन अनियंत्रित होकर खाई में जा गिरा। गनीमत रही कि हादसे में किसी की जान नहीं गई। चंबा थानाध्यक्ष पंकज देवरानी ने बताया कि रविवार सुबह काणाताल से चंबा आ रहा बुलेरो वाहन आराकोट गांव के समीप अनियंत्रित होकर खाई में जा गिर।

सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने विशाल,हर्ष, अनिल और अमन सभी निवासी गुड़गांव हरियाणा को रेस्क्यू कर 108 एंबुलेंस सेवा में प्राथिमक उपचार दिया,बताया सभी लोगों को मामूली रुप से चोटें आई है।

विद्युत पोल से गिरकर कर्मचारी घायल

ऋषिकेश। बड़कोट ग्राम सभा में विद्युत लाइन लगाने का कार्य चल रहा है। रविवार को यहां विद्युत पोल से गिरकर एक कर्मचारी घायल हो गया। कर्मचारी को इलाज के लिए जौलीग्रांट हस्पिटल में भर्ती कराया गया।

रविवार सुबह विद्युत कर्मचारी तोताराम निवासी जिला मुरादाबाद बिजली के विद्युत पोल पर चढ़ा। वह विद्युत पोल पर तार बदलने का कार्य कर रहा था। तभी नीचे से जर्जर यह विद्युत पोल अचानक टूटकर गिर गया। इससे तोताराम घायल हो गए। घायल कर्मचारी को जौलीग्रांट हस्पिटल में भर्ती कराया गया।

तीन माह बाद एक संक्रमित की मौत

हाईकोर्ट में बिना मास्क के प्रवेश पर प्रतिबंध

देहरादून। उत्तराखंड में लगभग तीन महीने बाद एक कोरोना संक्रमित मरीज की मौत का मामला सामने आया है। नए साल में कोरोना मरीज की मौत का पहला मामला है। इसके अलावा देहरादून और नैनीताल जिले में तीन नए संक्रमित मिले हैं।

स्वास्थ्य विभाग की रिपोर्ट के मुताबिक रविवार को 414 सैंपलों की जांच रिपोर्ट आई। इसमें तीन लोग संक्रमित मिले। राजकीय मेडिकल कलेज देहरादून में एक संक्रमित मरीज की मौत हो गई। इससे पहले 26 सितंबर 2022 को एक मरीज की मौत हुई थी।

प्रदेश में एक जनवरी से 31 दिसंबर 2022 तक कुल 334 कोरोना संक्रमित मरीजों की मौतें हुई है। वर्तमान में प्रदेश में सक्रिय मरीजों की संख्या 34 है। इसमें

अधिकतर संक्रमित होम आईसोलेशन में हैं। सैंपल जांच के आधार पर संक्रमण दर 0.72 प्रतिशत और रिकवरी दर 9601 प्रतिशत दर्ज की गई है।

हाईकोर्ट समेत प्रदेश की अन्य अदालतों में मास्क के बिना प्रवेश पर पाबंदी लगा दी गई है। प्रदेश सरकार की ओर से जारी कोविड गाइडलाइन को हाईकोर्ट सहित प्रदेश की अदालतों में भी प्रभावी कर दिया गया है। हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ने इस बारे में पूर्व में ही आदेश जारी कर दिए थे।

हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल विवेक भारती शर्मा की ओर से जारी नोटिफिकेशन के अनुसार हाईकोर्ट सहित जिला, तहसील अदालतों में न्यायिक अधिकारी कर्मचारी, अधिवक्ता, वादकारी सहित अन्य कोर्ट परिसर व कोर्ट रूम में मास्क पहन कर आएंगे।

शारीरिक दूरी का पूरी तरह अनुपालन किया जाएगा। बिना मास्क के कोर्ट परिसर में प्रवेश प्रतिबंध रहेगा। कोर्ट रूम और परिसर को नियमित रूप से सेनिटाइज किया जाएगा और यह सुनिश्चित किया जाएगा कि न्यायालय परिसर में न्यायालय कक्ष में भीड़भाड़ ना हो।

सीएम धामी ने अस्पताल पहुंचकर जाना ऋषभ का हाल

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी रविवार को मैक्स हस्पिटल पहुंचे। यहां उन्होंने अस्पताल में करीब एक घंटा क्रिकेटर ऋषभ पंत की माता सरोज पंत और बहन साक्षी पंत से मुलाकात की। उन्होंने परिवार से पंत के स्वास्थ्य लाभ की जानकारी ली और डॉक्टरों से भी उनकी हेल्थ का अपडेट लिया।

उन्होंने कहा कि परिजनों व चिकित्सकों के अनुसार ऋषभ पंत के स्वास्थ्य में काफी सुधार भी हो रहा है। चोटों के कारण ऋषभ के शरीर में अभी काफी दर्द है। उनका इलाज मैक्स अस्पताल में जारी रहेगा। सीएम ने कहा कि पंत के इलाज में सरकार की ओर से जिस भी तरह की मदद की जरूरत होगी वो तत्काल की जाएगी। सीएम धामी ने कहा कि हादसे के बाद कई लोगों नेऋषभ की मदद की थी। हरियाणा रोडवेज के ड्राइवर और कंडक्टर ने ाषभ की जान बचाई। सरकार ने 26 जनवरी को उन्हें सम्मानित करने का फैसला किया है।

वहीं, डीजीपी अशोक कुमार ने बताया कि पंत के घायल होने के बाद रोडवेज चालक व परिचालक के साथ-साथ स्थानीय लोगों ने भी मदद की थी। उन्हें परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय की गुड सेमेरिटन स्कीम के तहत सम्मानित किया जाएगा। डीजीपी ने बताया कि किसी भी सड़क दुर्घटना के पीड़ित के लिए पहला एक घंटा यानी गोल्डन अवर बहुत महत्वपूर्ण होता है। उस एक घंटे में पीड़ित को आवश्यक उपचार मिलना बहुत महत्वपूर्ण है। आमजन में इस व्यवहार को प्रोत्साहित करने के लिए गुड सेमेरिटन स्कीम को लागू किया गया है।

डीजीपी ने घायलों की मदद करने के लिए लोगों से अपील की है। आश्वस्त किया है कि लोगों की पुलिस पूरी तरह से मदद करेगी।

संदिग्ध परिस्थितियों में महिला ने लगाई फांसी, मौत

रुद्रपुर। संदिग्ध परिस्थितियों में दुपट्टे का फंदा बनाकर महिला ने मौत को गले लगा लिया। अचानक हुई घटना से हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। शनिवार को गोल्ज्यू कलोनी रामेश्वरपुर लालपुर निवासी अजय ने परिवार के साथ नव वर्ष के स्वागत की तैयारी की थी। रात में वे केक के साथ मटन बना रहे थे। पत्नी सुनीता आयु 35 वर्ष खाना बनाते हुए अपने मायके के लोगों से वीडियो कल में बात कर रही थी। इसी दौरान अचानक सुनीता वहां से बाहर निकली और छत पर जाकर कुंडे में दुपट्टे का फंदा बनाकर लटक गई। उसके दोनों बच्चे भी दावत की तैयारी में साथ लगे थे। काफी देर तक जब सुनीता वापस नहीं आई तो अजय ने उसको आवाज दी पर कोई जवाब नहीं मिला।

अजय को कुछ शंका हुई तो वह छत पर गये तो वहां सुनीता को झूलता देख उसके होश उड़ गए।

आखिरकार 48 घंटे बाद आईसीयू से बाहर आए ऋषभ पंत, प्राइवेट वार्ड में किया शिफ्ट

देहरादून । भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार खिलाड़ी ऋषभ पंत 48 घंटे बाद मैक्स अस्पताल के आईसीयू से बाहर आ गए हैं। उन्हें अस्पताल के प्राइवेट वार्ड में शिफ्ट किया गया है। पांच विशेषज्ञ डक्टरों की टीम चौबीसों घंटे उनकी सेहत पर नजर रखे हुए है। अस्पताल प्रबंधन से जुड़े सूत्रों के मुताबिक पंत की हालत में तेजी से सुधार आ रहा है।

बता दें कि शुक्रवार सुबह पांच बजे के करीब दिल्ली-हरिद्वार मार्ग पर नारसन के पास ाषभ पंत की कार डिवाइडर से टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी। इस हादसे में ऋषभ पंत बुरी तरह से घायल हो गए थे, जबकि उनकी कार आग लगने से पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई थी।

हादसे के बाद पंत को नारसन स्थित सक्षम अस्पताल ले जाया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें देहरादून के मैक्स अस्पताल में रेफर किया गया। शुक्रवार से अस्पताल के विशेषज्ञों की टीम पंत का इलाज कर रही है।

डक्टरों का कहना है कि पंत को कई जगह गंभीर चोट लगने व लिगामेंट फटने की वजह से अब भी काफी दर्द महसूस हो रहा है। उन्हें इस दर्द से पूरी तरह निजात मिलने में थोड़ा समय लगेगा। उधर, रविवार को यह अफवाह भी चर्चाओं में रही कि पंत को लीव अगेंस्ट मेडिकल एडवाइज के तहत छुट्टी दिए जाने की गुजारिश की गई है।

हालांकि, अस्पताल प्रबंधन ने इसे बेबुनियाद बताया। उन्होंने कहा कि क्रिकेटर पंत को पूरी तरह स्वस्थ होने के बाद ही अस्पताल से टुट्टी दी जा सकती है। वहीं, केंद्रीय रक्षा एवं पर्यटन राज्य मंत्री अजय भट्ट ने रविवार को फोन पर ाषभ पंत की माता सरोज पंत से बात की और हालचाल जाना।

इसके बाद उन्होंने मैक्स अस्पताल के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट व यूनिट हेड ड.संदीप तनवर से बात कर पंत के स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि ाषभ पंत अब आईसीयू से शिफ्ट होकर प्राइवेट वार्ड में आ गए हैं। उनके स्वास्थ्य में बेहतर सुधार है और जल्द ही वह बल्ले से अपना जलवा दिखाएंगे।

सीएम धामी का ऐलान, पंत की जान बचाने वालों को इस खास दिन सम्मानित करेगी उत्तराखंड सरकार

देहरादून । ऋषभ पंत की कार हादसे में जान बचाने वाले हरियाणा रोडवेज के ड्राइवर सुनील कुमार और कंडक्टर परमजीत को उत्तराखंड सरकार ने सम्मानित करने का फैसला किया है। उत्तराखंड के सीएम धामी के इस बात का ऐलान

एकेश्वर ब्लाक के पांथर गांव में गुलदार के हमले में महिला घायल

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : पौड़ी गढ़वाल में गुलदार का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। एकेश्वर प्रखंड के अंतर्गत ग्राम पांथर निवासी एक महिला गुलदार के हमले में घायल हो गई। नौगांवखाल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में प्राथमिक उपचार के बाद महिला को जिला अस्पताल पौड़ी रैफर कर दिया है। गुलदार के हमले से ग्रामीणों में दहशत है। ब्लॉक प्रमुख एकेश्वर नीरज पांथरी ने बताया कि रविवार सांय पुष्पा देवी (46) पत्नी राकेश रतूड़ी गांव की महिलाओं के साथ गांव के पास ही खेतों में चारापत्ती काट रही थी। इसी दौरान गुलदार ने पुष्पा देवी पर हमला कर दिया। पुष्पा के हाथ और आँख के ऊपर चोटें आई है। साथी महिलाओं ने शोर मचाया जिससे गुलदार जंगल की ओर भाग गया। इस बीच आसपास ही मौजूद अन्य ग्रामीण खेत में पहुंचे और घायल पुष्पा देवी को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नौगांवखाल ले गए। चिकित्सकों ने बताया कि पुश्पा देवी के हाथ पर गुलदार के हमले के गहरे निशान हैं। साथ ही उनके आँख के ऊपर भी चोटें भी आई हैं। महिला को जिला अस्पताल रैफर किया जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि पूर्व में भी गुलदार महिलाओं पर हमला कर चुका है।कई बार विभागीय अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों से गुलदार के आतंक से निजात दिलाने की मांग की गई, लेकिन इस ओर ध्यान नहीं दिया गया।

उत्तर भारत में नए साल के पहले दिन से बढ़ा सर्दी का सितम, दिल्ली में शीतलहर का येलो अलर्ट

नई दिल्ली ,(एजेंसी)। उत्तर भारत के कई राज्यों में पिछले दो-तीन दिन से तापमान थोड़ा बढ़ा था। लेकिन मौसम विभाग का मानना है कि 1 जनवरी के बाद पारा गिरना शुरू हो सकता है। राष्ट्रीय राजधानी और पंजाब और हरियाणा जैसे आसपास के राज्यों में घना कोहरा 5 जनवरी तक रहने की संभावना है। दिल्ली-एनसीआर में वैसे तो दिन में धूप खिलने से ठंड से कुछ राहत मिली, लेकिन देर शाम पश्चिमी विक्षोभ के चलते मौसम में बदलाव के चलते उच्चतम तापमान में गिरावट आई। रविवार सुबह न्यूनतम तापमान में गिरावट की संभावना है, कई इलाकों में सुबह के समय कोहरा भी छाया रहेगा। पहाड़ों पर बर्फबारी हुई है, उससे छन के हवाएं चलेंगी तो ठिठुरन भी बढ़ेगी।

प्रादेशिक मौसम विज्ञान केंद्र, नई दिल्ली के अनुसार दिल्ली में अधिकतम तापमान सामान्य से एक डिग्री कम 19.7 डिग्री सेल्सियस व न्यूनतम तापमान सामान्य से तीन डिग्री अधिक 10.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। बीते दो दिनों से न्यूनतम तापमान 10 डिग्री के आसपास बना हुआ है। वहीं अधिकतम तापमान 20 डिग्री के आसपास चल रहा है।

मौसम विभाग के अनुसार रविवार से न्यूनतम तापमान में फिर से गिरावट दर्ज होनी शुरू होगी। तीन जनवरी तक तापमान चार डिग्री तक पहुंचने की संभावना है जो छह जनवरी तक जारी रहेगा।

अमित शाह ने अगले कर्नाटक चुनाव में त्रिकोणीय मुकाबले से किया इन्कार

बेंगलुरू ,(एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कर्नाटक में अगले विधानसभा चुनाव में त्रिकोणीय लड़ाई की संभावना से इनकार किया और लोगों से देशभक्तों या टुकड़े-टुकड़े गिरोह से जुड़ी पार्टियों में से एक को चुनने का फैसला करने की अपील की।शाह ने कहा कि कर्नाटक में अगले साल होने वाले चुनाव में त्रिकोणीय नहीं बल्कि सीधी लड़ाई है। यहां बूथ स्तर के पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, यहां दो खेमे हैं, लेकिन इस बार सीधी लड़ाई है। कोई त्रिकोण लड़ाई नहीं है, क्योंकि जेडीएस को वोट देने का मतलब कांग्रेस को वोट देना है। उन्होंने कहा, श्श्क्योंकि, चुनाव से पहले वे एक-दूसरे के खिलाफ लड़ते हैं।

विधानसभा से बर्खास्त कर्मचारियों का अनोखा प्रदर्शन, गले में फांसी का फंदा डालकर जताया विरोध

देहरादून। उत्तराखंड विधानसभा से बर्खास्त कर्मचारियों ने आज नए साल पर भी अनिश्चितकालीन धरना जारी रखा। कर्मचारियों ने विधानसभा के बाहर अनोखे तरीके से प्रदर्शन किया। कर्मचारियों ने गले में फांसी का फंदा डालकर विरोध जताया। सरकार के खिलाफ नारेबाजी भी की।

वहीं, कर्मचारियों का कहना है कि न्याय न मिला तो वे आत्मदाह करने के लिए मजबूर होंगे, जिसकी जिम्मेदारी विधानसभा अध्यक्ष एवं सरकार की होगी। शनिवार को भी कर्मचारियों ने राष्ट्रपति को सामूहिक हस्ताक्षर युक्त पत्र लिखकर इच्छा मृत्यु की अनुमति मांगी थी।

बता दें कि बीते साल अगस्त महीने में घोटाले को लेकर सियासत गरमाई। सोशल मीडिया पर बैकडोर से भर्ती पर लगे कर्मचारियों और उनकी सिफारिश करने वाले नेताओं के नाम वायरल हुए। सरकार, भाजपा और आरएसएस के नेताओं पर सवाल उठे। तत्कालीन स्पीकर व कैबिनेट मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल निशाने पर आ गए। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने विधानसभा अध्यक्ष से बैकडोर भर्ती की जांच का अनुरोध किया। तीन सितंबर को विधानसभा अध्यक्ष ने डीके कोटिया की अध्यक्षता में जांच कमेटी बनाई। 22 सितंबर को जांच समिति ने अध्यक्ष को रिपोर्ट सौंपी, भर्ती में धांधली पाई।23 सितंबर को विधानसभा

अध्यक्ष ने 2016 से 2021 के बीच हुई 229 बैकडोर भर्तियों को रद्द करने की घोषणा की। सरकार ने बैकडोर भर्ती रद्द करने की मंजूरी दी। निकाले गए कर्मचारियों ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की। एकल बैंच ने बर्खास्तगी आदेश पर स्थगानेदश दिया।विधानसभा ने डबल बैंच में अपील की। डबल बैंच स्पीकर आदेश को सही बताया। बर्खास्त कर्मचारी सुप्रीम कोर्ट गए। सुप्रीम कोर्ट ने भी उनकी याचिका को खारिज कर दिया। बर्खास्त कर्मचारियों ने विधानसभा के बाहर धरना-प्रदर्शन शुरू कर दिया। वे विधानसभा में 2016 से पहले हुई भर्तियों पर भी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

नए साल पर हरिद्वार में स्नान को पहुंचे श्रद्धालु, मंदिरों व पर्यटक स्थलों में भारी भीड़

देहरादून। देहरादून के राजपुर रोड स्थित साईं मंदिर में श्रद्धालु दर्शन करने पहुंचे। नैनीताल के नयना देवी मंदिर में नए साल के पहले दिन पर्यटक व स्थानीय लोग दर्शन के लिए पहुंचे। वहीं पर्यटकों की भीड़ पहुंचने से हल्द्धानी के काठगोदाम में कई बार लंबा जाम लगने की स्थिति बन गई। वहीं देहरादून में नव वर्ष को लेकर धार्मिक स्थलों पर भारी जाम लग गया। हाल यह हुआ कि टपकेश्वर में बाबा के दर्शन करने के लिए जा रहे श्रद्धालुओं को बीच रास्ते से ही वापस लौटना पड़ा। केंट कोतवाली पुलिस यातायात व्यवस्था को संभाल नहीं पाई।स्थिति यह थी कि ओएनजीसी चौक तक जाम लगा रहा। वहीं नववर्ष मनाकर मसूरी से वापस लौट रहे वाहनों के कारण केंट चौक पर दोनों तरफ से जाम लग गया। जाम खुलवाने के लिए यातायात पुलिसकर्मियों को भिजवाया गया, जिसके बाद जाम खुल पाया।चंपावत जिले में मां पूर्णागिरी मंदिर में भक्तों की लंबी कतार लगी रही। हल्द्धानी के कालू सिद्ध बाबा मंदिर में भी श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रही।तीर्थनगरी ऋषिकेश में नव वर्ष के पहले दिन पर्यटक स्थ्थलों पर दिल्ली, हरियाणा और पंजाब से पर्यटक पहुंचे। इससे पहले नव वर्ष की पूर्व संध्या पर पहली बार न्यू एज म्यूजिक फेस्टिवल में विभिन्न देशों के कलाकारों ने योग, ध्यान, आध्यात्म और संगीत के अद्भुत सम्मिश्रण के साथ अपनी प्रस्तुतियां दी। देर रात तक संगीत की धुन पर झूमते हुए श्रोताओं ने नववर्ष का स्वागत किया।

पर्यटन स्थल चकराता में थर्टी फर्स्ट व नए साल का जश्न मनाने के लिए पर्यटकों के उमड़ने से रिसार्ट शतप्रतिशत फुल व होटल 60 प्रतिशत बुक हैं। छावनी बाजार में भी रौनक है।हालांकि, बर्फबारी न होने के कारण इस बार पिछले साल के मुकाबले कम पर्यटक आने पर होटल व्यवसायी कुछ निराश दिखाई दिए। पिछले वर्ष बर्फबारी होने की वजह से हजारों की संख्या में पर्यटक चकराता पहुंचे थे, परंतु इस वर्ष पर्यटकों की आमाद में कमी देखी गई। इसकी एक वजह यह भी मानी जा रही है कि पिछले वर्ष दिसंबर में हिमपात हो गया था, जिसे देखने के लिए देश के अलग-अलग हिस्सों से पर्यटक आए थे, परंतु इस बार बर्फ न पड़ने से पर्यटक

के चकराता पहुंचने मैं कमी देखी गई, जिस कारण 40 फीसद होटल खाली हैं।चकराता के आसपास सटे कोरुवा, रामताल गार्डन, टाइगर फाल, ग्वासा पुल, माख्टी में रिसार्ट फुल हैं।

जिलाधिकारी ने बांटे कंबल, सुनी समस्याएं

पौड़ीः नववर्ष की पूर्वसंध्या पर डीएम ने बैंज्वाड़ी गांव पहुंचकर जरूरतमंद लोगों को कंबल व फल भेंट कर नववर्ष की शुभकामनाएं दी। इस दौरान डीएम के गांव पहुंचने पर स्थानीय लोग गदगद नजर आए। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों की समस्याएं भी सुनी व जल्द समस्याओं का निस्तारण करने का आश्वसन ग्रामीणों को दिया। नए साल की पूर्व संध्या पर डीएम डा.आशीष चौहान पौड़ी ब्लाक के अंतर्गत बैंज्वाड़ी गांव पहुंचे। यहां उन्होंने जरूरतमंदों को कंबल व फल भेंट कर नया वर्ष मनाया। ठंड से बचने के लिए जरूरतमंदों ने यह मदद पाकर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि आप पहले अधिकारी हैं जो कि नया साल मनाने के लिए किसी पर्यटक स्थल पर न जाकर हमारे बीच आ रहे हैं। इस दौरान डीएम ने ग्रामीणों की समस्याएं भी सुनी। डीएम ने अफसरो को शीतलहर व ठंड के प्रकोप को देखते हुए सार्वजनिक स्थानों पर अलाव की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। इस दौरान डीएम ने सरोजनी देवी, दमयंती देवी व दीपा देवी को कंबल दिए। इस मौके पर एसडीएम सदर आकाश जोशी, कानूनगो संजय नेगी, राजस्व उपनिरीक्षक कुलदीप रावत आदि शामिल थे।

नए साल पर सिद्धबली मंदिर में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

◆श्री सिद्धबली बाबा के दर्शन कर भक्तों ने सुख—शांति के लिए की कामना
◆व्यवस्थाएं बनाने को मंदिर समिति व पुलिस को करनी पड़ी कड़ी मशक्कत

जयन्त प्रतिनिधि

कोटद्वारः गढ़वाल के प्रवेश द्वार कोटद्वार में स्थित श्री सिद्धबली बाबा से देश-विदेश के श्रद्धालुओं की आस्था जुड़ी हुई है। यही कारण था कि नव वर्ष पर बाबा से आशीर्वाद लेने के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी हुई थी। श्रद्धालुओं ने घंटों लाइन में खड़े रहकर बाबा के दर्शन कर अपने परिवार व देश के लिए सुख—शांति की कामना की।

रविवार को नव वर्ष पर सुबह से मंदिर में भक्तों का तांता लगा हुआ था। बाबा के दर्शन करने के लिए श्रद्धालुओं को घंटों लाइन में खड़े होकर इंतजार करना पड़ा। सुबह से ही बाबा के दर से मंदिर के प्रवेश द्वार के समीप पुल तक श्रद्धालुओं की लंबी लाइन दिखाई दी। दोपहर तक मंदिर में लगातार श्रद्धालुओं के आने का सिलसिला जारी रहा। इस दौरान मंदिर में श्रद्धालुओं के लिए भंडारे का भी आयोजन किया गया था। अपने परिवार के साथ पहुंचे गाजियाबाद निवासी मुकेश सिंह ने बताया कि वह प्रति वर्ष नए साल पर बाबा के दर्शन को पहुंचते हैं। घर में कोई भी शुभ कार्य होने पर वह बाबा का आशीर्वाद अवश्य लेते हैं। अपने परिवार के साथ पहुंचे बिजनौर निवासी राजन अग्रवाल ने बताया कि सिद्धबली मंदिर में आने से भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती है। उनके परिवार की बाबा के प्रति अटूट श्रद्धा है।

हालांकि इस नव वर्ष पर मंदिर में काफी भीड़ होने के कारण उन्हें दर्शन में काफी समय लग गया। मंदिर में भक्तों के लिए भंडारे का भी आयोजन किया गया था।

कोटद्वार के श्री सिद्धबली मंदिर के प्रवेश द्वार तक लगी श्रद्धालुओं की लाइन

प्रतियोगिता में पौखाल संकुल रहा अव्वल

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः शिक्षा विभाग के समग्र शिक्षा अभियान के अंतर्गत ब्लाक संसाधन केंद्र सुखरौ में संबधित संकुलों के लिए प्रश्नोत्तरी सहित विभिन्न प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। गणित एवं विज्ञान पर आधारित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में संकुल पौखाल की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। सिताबपुर संकुल ने दूसरा और मोटाढ़ाक संकुल ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। विज्ञान ड्रामा प्रतियोगिता में सिताबपुर संकुल ने पहला, संकुल नगर क्षेत्र ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। विज्ञान आधारित माडल प्रदर्शनी में मोटाढ़ाक संकुल पहले और झंडीचौड़ संकुल दूसरे स्थान पर रहा। अंत में विजेता टीमों को प्रभारी उप शिक्षा अधिकारी सूरत सिंह पंवार, प्रभारी बी आर सी समन्वयक अजय नौडयाल व उमेश कुमार व सुधीर अग्रवाल ने पुरस्कृत किया।

विक्रम चंद्र शाह को मिला राष्ट्रीय सम्मान

आयोजित कार्यक्रम में भाग लेते ट्रस्ट के सदस्य

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः मान सिंह रावत शशिप्रभा सर्वोदय सेवा ट्रस्ट के सदस्यों व पदाधिकारियों ने भारतीय दलित साहित्य अकादमी मुख्यालय दिल्ली द्वारा राजकीय महाविद्यालय गोपेश्वर में प्रोफेसर पद पर कार्यरत व कोटद्वार निवासी विक्रम चन्द्र शाह को डॉ. अम्बेडकर विशिष्ट सेवा राष्ट्रीय सम्मान—2022 व राजकीय महाविद्यालय कण्वघाटी में प्रोफेसर डा. गीता रावत शाह को डा. अंबेडकर नेशनल फेलोशिप अवार्ड 2022 से सम्मानित किए जाने पर खुशी व्यक्त की गई। नजीबाबाद रोड़ स्थित एक बारातघर के सभागार में आयोजित बैठक में सवोदय सेविका शशिप्रभा रावत ने कहा कि दोनों लोगों को यह सम्मान अकादमी के दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में अकादमी के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रोफेसर एस पी सुमनाक्षर , पूर्व केंद्रीय मंत्री श्री सत्यनारायण जटिया व संघप्रिय गौतम के हाथों प्रदान किया गया, जो हमारे लिए गर्व की बात है। समाजसेवी सुरेन्द्र लाल आर्य ने कहा कि अकादमी प्रति वर्ष कार्यक्रम आयोजित कर विभिन क्षेत्रो में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को सम्मानित करती है। इस अवसर पर पी एल खंतवाल, चक्रधर शर्मा, प्रकाश कोठारी, राकेश अग्रवाल, नेत्र सिंह रावत, गीता बिष्ट, मयंक कोठारी, विनय किशोर रावत और डॉ. शील सौरभ रावत सहित अन्य लोग मौजूद रहे ।

बेहतर समाज के लिए अपना योगदान दें विद्यार्थी

गुरु राम राय इंटर कालेज दिउला में आयोजित किया गया शिविर

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः पौखाल के श्री गुरु राम राय इंटर कालेज दिउला में सात दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति देकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस दौरान विद्यार्थियों को बेहतर समाज निर्माण में अपना योगदान देने की सीख दी गई।

विद्यालय में आयोजित शिविर का शुभारंभ दुगड्डा ब्लाक प्रमुख रुचि कैंतुरा, प्रधानाचार्य धर्मपाल सिंह बिष्ट व एनएसएस मंडल समन्वयक पुष्कर सिंह नेगी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्जवलित कर किया। ब्लाक प्रमुख रुचि कैंतुरा ने कहा कि विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ अन्य खेल प्रतियोगिताओं में भी प्रतिभाग करना चाहिए। इससे उन्हें जीवन में आगे बढ़ने की सीख मिलती है। एनएसएस के गढ़वाल मंडल समन्वयक पुष्कर सिंह नेगी ने विद्यार्थियों को नशे के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की भी प्रस्तुति दी। छात्रों की ओर से देश भक्ति पर प्रस्तुत नाटक को दर्शकों ने खूब सराहा। इस मौके पर ग्राम प्रधान अरूण नेगी, शिक्षक शशिभूषण अमोली शालिनी रावत, दीपक नेगी, प्रवीन तोमर, उमेश कुमार त्यागी, लखन लाल भट्ट आदि मौजूद रहे।

गुरु राम राय इंटर कालेज दिउला में विद्यार्थियों को संबोधित करती ब्लाक प्रमुख रुचि कैंतुरा

श्री राम क्लब डाडामंडी ने जीता फाइनल मुकाबला

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः गेंद मेला सांस्कृतिक एवं क्रीड़ा समिति डाडामंडी की ओर से आयोजित गेंद मेला क्रिकेट प्रतियोगिता श्रीराम क्लब डाडामंडी ने जीत ली है। फाइनल में श्रीराम क्लब ने मदनपुर क्रिकेट क्लब को हराया।

डाडामंडी खेल मैदान में आयोजित फाइनल में मदनपुर क्रिकेट क्लब ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। टीम ने निर्धारित 16 ओवरों में 120 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी डाडामंडी की टीम ने शुरूआत से ही आक्रामक खेल का प्रदर्शन किया।

सलामी बल्लेबाज अंकित बेबनी के 59 व अन्य बल्लेबाजों के उपयोगी योगदान के साथ डाडामंडी ने 121 रन बनाकर प्रतियोगिता अपने नाम की। प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन के लिए अंकुश रावत को मैन ऑफ द सिरीज और अपनी टीम को फाइनल मैच जिताने वाले अंकित बेबनी को मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया। मुख्य अतिथि स्टेट बैंक डाडामंडी शाखा के प्रबंधक प्रेम सिंह ने दोनों टीमों को ट्रॉफी प्रदान की। इस दौरान समिति अध्यक्ष प्रेम सिंह चौहान, शशिदेव डोबरियाल, सुरेश रावत, जगदीश सिंह रावत, विकास चौधरी, राकेश रावत, राहुल सिंह रावत आदि मौजूद रहे।

गीत नया गाते रहिए, रोने के बहाने हजार...

उमेश डोभाल स्मृति ट्रस्ट की ओर से आयोजित की गई कवि गोष्ठी

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ीः उमेश डोभाल स्मृति ट्रस्ट के तत्वावधान में नव वर्ष की पूर्व संध्या पर धुयाल कवि गोष्ठी का आयोजन जिला पंचायत सभागार में किया गया। गोष्ठी में प्रसिद्ध गायक एवं कवि अनिल बिष्ट ने नेतागिरी पर कटाक्ष करते हुए कविता पढ़ी।

शैलेश मटियानी पुरस्कार प्राप्त शिक्षक वीरेंद्र खंकरियाल ने पौड़ी के दर्द पर आधारित कविता देहरादून बस गया, नैनीताल सज गई। पौड़ी हूं मुझको किसकी बुरी नजर लगी कविता का शानदार मंचन किया। प्रमेंद्र सिंह नेगी ने पलायन पर कभी बाटू भूली बिसरी की, घर मुलुक भी बोडी जावा रे, कभी जलम भूमि की जिकुडी की कविता की प्रस्तुति दी। मयंक सुंदरियाल ने गढ़वाल की खुशहाली की कामना करने, सुनील धस्माना स्वप्निल ने अपनी कविता के माध्यम से राज्य व्यवस्था पर सवाल उठाए जाने की कविता का पाठ किया। कवि डा. कमलेश कुमार मिश्र ने मैं जहां भी गया, दोहरे किरदार मिले, शायर नवीन मियां ने सियासत की जमीन पर नफरतों के बीज बोने लगे हैं, इतने भी हम नासमझ नहीं जितने वो समझने लगे हैं, स्थानीय कवि हिमांशु बडोनी ने गूंगे बहरों की नगरी में, गीत नया गाते रहिए, रोने के बहाने हजार, सदा हंसते हंसाते रहिए, धुयाल काव्य गोष्ठी के संयोजक गीतकार एवं गायक मनोज रावत अंजुल ने प्यार प्रेम माया से डरदू को च ? पर पता त चलू हमसे करदू को च कविता का पाठ किया।

पौड़ी में पर्यटक को बढ़ावा देने के लिए बनाएं योजनाएं

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ीः नागरिक कल्याण मंच एवं जागरूक विकास समिति ने पौड़ी में पर्यटन की गतिविधियां संचालित करने सहित विभिन्न समस्याओं को हल करने की मांग उठाई है। समिति के पदाधिकारियों ने डीएम को ज्ञापन देकर जल्द ही समस्याओं को हल करने की मांग की है।

नागरिक कल्याण मंच एवं जागरूक विकास समिति के पदाधिकारियों ने डीएम से मुलाकात की। इस दौरान पदाधिकारियों ने कहा कि दिसंबर से जनवरी महीने तक कंडोलिया टेका मार्ग से सूर्यास्त के समय विंटर लाइन का मनोरम दृश्य दिखता है लेकिन प्रचार प्रसार की कमी से यह पर्यटकों तक नही पहुंच पा रहा है। समिति के पदाधिकारियों ने कंडोलिया रोड पर स्थित जिला पुस्तकालय को पुराने डीएम भवन में स्थानांतरित करने, पुराने डीएम को संग्रहालय के रूप में स्थापित करने, डीएम कार्यालय के बाहर लोगों के बैठने के लिए पार्क बनाने, गांधी मैदान में पालिका द्वारा किए गए अतिक्रमण को हटाते हुए बच्चों को खेलने के लिए सुविधा दिए जाने की मांग की है। इस मौके पर समिति के अध्यक्ष रघुबीर सिंह रावत, विनोदानंद बड़थ्वाल, ठाकुर सिंह रावत, पुष्कर रावत, प्रशांत नेगी, अनीता रावत, रोशनी सिंह, अंजू चौहान, विजयपाल सिंह नेगी, मकान सिंह, नरेश नौड़ियाल, नीमा कुकरेती, गिरीश बड़थ्वाल, आलम सिंह रावत, नरेश नौड़ियाल आदि शामिल थे।

खबर का हुआ असर: नगर निगम ने भाबर क्षेत्र में भी जलाए अलाव

लगातार बढ़ रही ठंड को देखते हुए नगर निगम की ओर से की गई व्यवस्था

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः कोहरे व शीतलहर के बीच बाजार तक सिमटी नगर निगम की अलाव योजना आखिर भाबर क्षेत्र की ओर भी बढ़ गई है। नगर निगम की ओर से भाबर क्षेत्र के पांच से अधिक स्थानों पर अलाव की व्यवस्था की गई है। अब तक नगर निगम की ओर से केवल बाजार क्षेत्र में ही अलाव जलाए जा रहे थे।

आपके प्रिया अखबार दैनिक जयन्त ने कुछ दिन पूर्व ..तो शहरी बने भाबर के लोगों को नहीं लगती ठंड शीर्षक से समाचार प्रकाशित किया था। इस समाचार में सिर्फ शहर क्षेत्र के छह स्थानों पर ही आलाव की व्यवस्था शुरू करने का जिक्र किया गया था। साथ ही यह भी बताया गया था कि बड़ी आबादी क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले भाबर व सनेह क्षेत्र को इस सुविधा से वंचित रखा गया है। जबकि, इन क्षेत्रों में भी अलाव की व्यवस्था शुरू किए जाने को लेकर लगातार मांग उठ रही थी। पिछले चार दिन से लगातार बढ़ रहे कोहरे व शीतलहर को देखते हुए नगर निगम की यह योजना अब बाजार क्षेत्र से बाहर निकल चुकी है। नगर निगम की ओर से भाबर क्षेत्र के दुर्गापुरी, उमरावनगर, मोटाढांक व झंडीचौड़ में अलाव की व्यवस्था कर दी गई है। निगम की इस योजना से सबसे अधिक सुविधा भाबर क्षेत्र के सिडकुल स्थित जशोधरपुर औद्योगिक क्षेत्र में कार्य करने वाले श्रमिकों को मिल रही है। अब तक नगर क्षेत्र के रेलवे स्टेशन, मीट मार्केट, झंडा चौक, नजीबाबाद चौराहा, गाड़ीघाट तिराहा व राजकीय संयुक्त चिकित्सालय, तहसील परिसर, आमपड़ाव, कौडिया, बालासौड़ तिराहा, देवी मंदिर चौराह में ही अलाव की व्यवस्था की गई थी।

कोटद्वार के भाबर क्षेत्र में निगम की ओर से जलाया गया अलाव

नव वर्ष पर बढ़े पर्यटक, जाम हुआ राष्ट्रीय राजमार्ग

कोटद्वार- दुगड्डा के मध्य राष्ट्रीय राजमार्ग पर लगा रहा वाहनों का लंबा जाम

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः नव वर्ष पर पहाड़ी क्षेत्रों में घूमने के लिए जाने वाले पर्यटकों की संख्या बढ़ गई है। यही कारण था कि रविवार को कोटद्वार- दुगड्डा के मध्य राष्ट्रीय राजमार्ग व शहर की मुख्य सड़कों पर वाहनों का लंबा जाम लगा हुआ था। पूरे दिन सड़कों पर वाहन रेंग-रेंगकर चलते हुए नजर आए।

नववर्ष पर सैकड़ों पर्यटक के लैंसडौन, चरेख, ताड़केश्वर सहित अन्य स्थानों पर घूमने के लिए पहुंच रहे थे। कोटद्वार शहर से होकर जा रहे सैकड़ों वाहनों के कारण शहर के साथ ही राष्ट्रीय राजमार्ग पर लंबा जाम लगा रहा। पूरे दिन सड़क पर वाहन रेंग-रेंगकर चलते रहे। व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के लिए पुलिस की अलग-अलग टीमें जुटी हुई थी। लेकिन, दोपहर तक स्थिति जस की तस बनी रही। जाम के साथ सबसे अधिक परेशान शहरवासियों को उठानी पड़ी। शहर में जगह-जगह बेतरतीब खड़े वाहनों के कारण भी यातायात बेपटरी हो रहा था। यातायात निरीक्षक शिव कुमार ने बताया कि यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए पुलिस की अतिरिक्त टीमें गठित की गई थी। सिद्धबली आने वाले श्रद्धालुओं के चार पहिया वाहनों के लिए गिवईस्त्रोत डग के समीप पार्किंग की व्यवस्था बनाई गई।

कोटद्वार के बदरीनाथ मार्ग पर लगा वाहनों का लंबा जाम

धूमधाम से मनाया गया मदरलैंड एकेडमी का वार्षिकोत्सव

वार्षिकोत्सव में दिखी सांस्कृतिक छटा

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः देवी रोड स्थित मदरलैंड एकेडमी का वार्षिकोत्सव धूमधाम के साथ मनाया गया। इस दौरान नन्हें मुन्ने छात्रों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रंगारंग प्रस्तुतियां देकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

कार्यक्रम का आरंभ दुगड्डा ब्लाक के खंड शिक्षा अधिकारी अयाजुद्दीन व विशिष्ट अतिथि सेनि. कर्नल बी बी ध्यानी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। तत्पश्चात प्री—प्राइमरी व नर्सरी कक्षा के नन्हें छात्र—छात्राओं ने विभिन्न गीतों पर नृत्य कर उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। कक्षा सात व आठवीं के छात्र—छात्राओं ने शहीद कैप्टेन विक्रम बत्रा की शहादत पर आधारित नाटक प्रस्तुत कर सभी को झकझोर दिया। पीटीआई अंकिता रूडोला के मार्गदर्शन में छात्राओं ने एरोबिक का शानदार प्रदर्शन किया। मौके पर शिक्षक सौरभ बुड़ाकोटी ने विद्यालय की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की। इस दौरान प्रधानाध्यापक सुनील कोटनाला सहित विद्यालय का समस्त सटाफ व अभिभावक मौजूद रहे।

कोटद्वार के मदरलैंड एकेडमी में आयोजित वार्षिकोत्सव में सांस्कृति प्रस्तुति देते बच्चे।

ADVERTORIAL

संकल्प नये उत्तराखण्ड का

अतुल्य एवं अद्भुत उत्तराखण्ड

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के दिशा-निर्देशों और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के कुशल नेतृत्व में उत्तराखण्ड डबल इंजन सरकार में विकास के नए आयाम गढ़ रहा है।
बेहतर कनेक्टिविटी के कारण उत्तराखण्ड अब पर्यटन के क्षेत्र में एक बेहतरीन प्रदेश के रूप में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना रहा है।
उत्तराखण्ड अब ऑफबीट पर्यटन स्थल के तौर पर जाना जाने लगा है। अब यहां साल भर पर्यटक घूमने आते हैं। उत्तराखण्ड अब "बहुआयामी पर्यटन राज्य" के रूप में अपनी पहचान बना रहा है।

"21वीं सदी के लिए विकसित भारत का निर्माण दो प्राथमिक स्तंभों पर टिका है- विरासत में गौरव और दूसरा विकास के लिए हर सम्भव प्रयास। उत्तराखण्ड आज इन दोनो स्तंभों को मजबूत कर रहा है। यह दशक उत्तराखण्ड का दशक होगा।"

नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री

"माननीय प्रधानमंत्री जी ने 21वीं सदी के तीसरे दशक को उत्तराखण्ड का दशक कहा है। हम प्रधानमंत्री के विज़न के अनुरूप राज्य को हर क्षेत्र में आदर्श राज्य बनाने के लिए अथक संकल्प के साथ काम कर रहे हैं।"

पुष्कर सिंह धामी
मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड

उत्तराखण्डः एक आदर्श, अद्वितीय, सुखद, रोमांचक और प्राकृतिक गंतव्य बन रहा है

उत्तराखण्ड के अद्वितीय पर्यटक स्थल वाकई में एक पूरा अजूबा हैं

इको-टूरिज्म हो या वाइल्डलाइफ टूरिज्म या रोमांचकारी अनदेखी बर्फीली चोटियां और रोमांचकारी साइक्लिंग और माउंटेन बाइकिंग, पैराग्लाइडिंग और ट्रेकिंग के रोमांचकारी रास्ते, आपको यहां वह सब कुछ मिल सकता है जिसके लिए आपको बाहर के कई देशों की यात्रा करनी पड़ सकती है।
उत्तराखण्ड अब हरित पर्यटन, साहसिक ट्रैवल, रूमानी यात्रा, प्राकृतिक पर्यटन या नेचुरल वॉक के लिए जाना जाता है। बेहतर पर्यटन नीतियों और उच्च संभावनाओं को देखते हुए विगत वर्षों में राज्य में पर्यटन के क्षेत्र में बेहतर निवेश तो हुआ ही है साथ ही भविष्य में कई बड़े निवेशकों ने पर्यटन क्षेत्र में निवेश की संभावनाएं तलाशी हैं। साहसिक गतिविधियों के लिए उत्तराखण्ड उभरता हुआ पर्यटन स्थल बनता जा रहा है। राज्य में साहसिक खेलों की कोई कमी नहीं है।

उत्तराखण्ड - एक पसंदीदा फिल्म शूटिंग स्थल

धामी सरकार की सरल व सुलभ फिल्म नीति से अब उत्तराखण्ड बन रहा है फिल्म शूटिंग का उभरता केंद्र। उत्तराखण्ड को देश का "मोस्ट फिल्म फ्रेंडली स्टेट" घोषित किया गया है।

धामी सरकार की फिल्म नीति का ही परिणाम है कि स्थानीय कलाकारों को फिल्म में काम करने और अपनी प्रतिभा को दिखाने के अवसर मिल रहे हैं वहीं उत्तराखण्ड की स्थानीय भाषा और संस्कृति को बढ़ावा देने के बेहतर अवसर मिल रहे हैं। उत्तराखण्ड को प्राकृतिक सुन्दरता और संसाधनों का वरदान प्राप्त है। राज्य अपने सुरम्य स्थानों और आतिथ्य के लिए जाना जाता है। बर्फ से ढकी पगडंडियों से लेकर एकान्त गाँवों तक और हलचल भरे शहरों से लेकर राजसी हिमालय की चोटियों तक, उत्तराखण्ड में कई तरह के स्थान हैं जहाँ फिल्मों और टेलीविजन धारावाहिकों की शूटिंग की जा सकती है।
राज्य में फिल्म शूटिंग की सुविधा के लिए सिंगल विंडो क्लीयरेंस सिस्टम लागू किया गया है, जो 3-4 दिनों की समय सीमा में सभी आवश्यक क्लीयरेंस प्रदान करता है। भारत सरकार द्वारा वर्ष 2022 में 68वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों में उत्तराखण्ड को मोस्ट फिल्म फ्रेंडली स्टेट और फिल्म फ्रेंडली एनवायरनमेंट के लिए स्पेशल मेंशन से नवाज़ा गया इस दौरान फिल्म शूटिंग को और बढ़ावा देने के लिए फिल्म निर्माताओं और क्षेत्र के विशेषज्ञों के सुझावों पर चर्चा की गई। उत्तराखण्ड फिल्म शूटिंग नीति के बनने के बाद प्रदेश में फिल्मों, टीवी सीरीज आदि की शूटिंग में वृद्धि हुई है। उत्तराखण्ड राज्य फिल्म निर्माताओं को आवश्यक सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

टिहरी झील भारत में वाटर स्पोर्ट्स के लिए नया गंतव्य

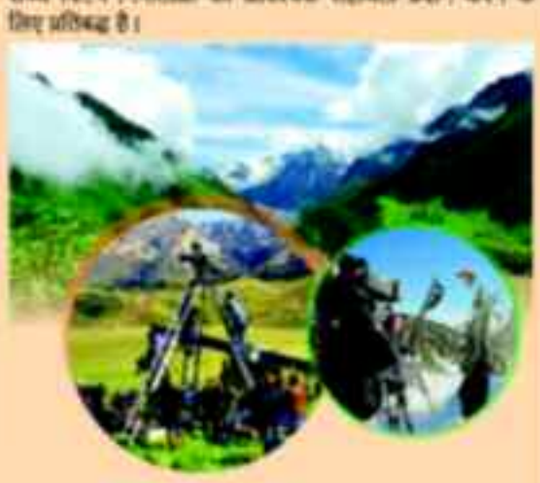

उत्तराखण्ड राज्य देवभूमि ही नहीं नदियों और पर्वतों की भी भूमि है। भागीरथी नदी पर बनी टिहरी झील एशिया की सबसे बड़ी मानव निर्मित झील है।
साहसिक खेलों के नाम पर पर्यटकों के पास पहले सीमित विकल्प थे और रोमांच को करीब से महसूस करने के लिए वे दूसरी जगहों की यात्रा करते थे, लेकिन अब यह सब बदलने वाला है। राज्य सरकार प्रसिद्ध टिहरी झील को एक साहसिक पर्यटन स्थल में परिवर्तित कर रही है। नई टिहरी एक पहाड़ी पर स्थित है जो एक हिल स्टेशन की शांति प्रदान करती है। सुन्दर मंदिरों और घने जंगलों से घिरा और हिमालय की ऊंची चोटियों के मध्य स्थित, नई टिहरी एक आदर्श, छुट्टी बिताने योग्य पर्यटक स्थल है।
टिहरी झील में जेट स्कीइंग से लेकर गर्म हवा के गुब्बारे की सैर सहित कई रोमांचकारी, साहसिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं और कई अलग-अलग और विविध गतिविधियां आयोजित होती हैं। टिहरी झील में साहसिक गतिविधियों में नौकायन, जेट-स्पीड बोट की सवारी, वॉटर स्कीइंग, जोरबिंग, बनाना बोट राइड, कैंडेरान बोट राइड, हॉटडॉग राइड, पैरासेलिंग आदि शामिल हैं।
आप झील पर तैरती हुई हट्स में अपने लिए एक अनोखा प्रवास भी बुक कर सकते हैं।

होम-स्टे उत्तराखण्ड की आतिथ्य परम्परा को अनुभव करने का सबसे अच्छा तरीका

प्रधानमंत्री मोदी के दिशा निर्देशन में तथा मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के प्रयासों से उत्तराखण्ड विकास के नित नए आयाम गढ़ रहा है। सड़कों का बेहतर विकास होने से राज्य के दुर्गम गांव भी अब पर्यटकों की पहुँच से दूर नहीं रहे हैं जिससे स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के नए अवसर खुल रहे हैं। मुख्यमंत्री धामी सरकार में होम-स्टे के क्षेत्र में हो रहा है अभूतपूर्व कार्य। अब तक 4000 से ज्यादा होम-स्टे का रजिस्ट्रेशन हो चुका है। ट्रेकिंग रूट्स पर होम-स्टे को बढ़ावा दिया जा रहा है। होम-स्टे उत्तराखण्ड की आतिथ्य परम्परा का अनुभव करने का सबसे अच्छा तरीका है। उत्तराखण्ड सरकार ने राज्य के पहाड़ी क्षेत्रों में पर्यटन और रोजगार के अवसरों को बढ़ावा देने के लिए उत्तराखण्ड में होम-स्टे नीति योजना की घोषणा की थी।
होम-स्टे मेहमानों को बजट के अनुकूल आवास और सेवाएं प्रदान कर रहे हैं, साथ ही इसके माध्यम से पर्यटकों को उत्तराखण्ड की संस्कृति और विरासत से भी परिचित करा रहे हैं। आप यहां के स्थानीय व्यंजनों का लुत्फ उठा सकते हैं और उत्तराखण्ड के स्थानीय शानदार प्राकृतिक वातावरण और संस्कृति को करीब से महसूस कर सकते हैं। तो आइए और उत्तराखण्ड में प्राचीन लकड़ी की 'हवेलियों', विरासत की इमारतों, गाँव की झोंपड़ियों या समकालीन आवासों में बने होम-स्टे में रहिए और कुछ अनमोल यादें घर ले जाइए।

अब तक 4000 से ज्यादा होम-स्टे का रजिस्ट्रेशन हो चुका है

ट्रेकिंग रूट्स पर होम-स्टे को बढ़ावा दिया जा रहा है

जॉर्ज एवरेस्ट मसूरी में तैयार हुआ देश का पहला कार्टोग्राफिक म्यूज़ियम, पर्यटकों के लिए जल्द खुलेगा

रोमांच को करीब से महसूस करें

उत्तराखण्ड एक साहसिक पर्यटक स्थल है। साहसिक पर्यटन चाहने वालों के लिए उत्तराखण्ड में असंख्य विकल्प हैं। उत्तराखण्ड के पहाड़ों में कई उच्च ऊंचाई वाले स्कीइंग स्थल हैं। ट्रेकिंग, पर्वतारोहण और रॉक क्लाइंबिंग के लिए हिमालय पर्वतमाला, राफ्टिंग के लिए सफेद पानी की बहती नदियां, कैनोइंग और कयाकिंग के लिए झीलें और बाइकिंग चुनौतियों के लिए सबसे उपयुक्त पर्वतीय रास्ते पर्यटकों को उत्तराखण्ड की ओर आकर्षित करते हैं।

बंजी जंपिंग

बंजी जंपिंग सिर्फ रस्सी बांधकर ऊंचाई से कूदना नहीं है बल्कि यह एक साहस की छलांग से भी कहीं ज्यादा है। यह एक ऐसी कूद है जो आपके दिल से डर को हमेशा के लिए दूर कर देती है और डर का मुकाबला करने का साहस पैदा करती है। राज्य में पहाड़ियों से घिरी प्रकृति की गोद से बेहतर कोई जगह नहीं हो सकती। उत्तराखण्ड के ऋषिकेश में देश की सबसे ऊंचे बंजी प्लेटफॉर्म में से एक है, जो करीब 83 मीटर (करीब 272 फीट) ऊंचा है।

जंगल सफारी

घने जंगल में खुली जीप में सफर करना और वन्य जीवन को करीब से देखना वाकई रोमांचक है। उत्तराखण्ड, एक बड़े वन आवरण के साथ, कॉर्बेट नेशनल पार्क और राजाजी नेशनल पार्क सहित कई सफारी विकल्प प्रदान करता है जहां आप दुर्लभ वन्यजीवों का दर्शन कर सकते हैं। जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क को पहले हैली नेशनल पार्क के नाम से जाना जाता था। जिम कॉर्बेट की स्थापना 1936 में हुई थी और इसका मुख्य आकर्षण रॉयल बंगाल टाइगर्स हैं। पार्क में पक्षियों और जानवरों की लगभग 600 प्रजातियां मौजूद हैं। इस अभ्यारण्य में 450 से अधिक विभिन्न प्रकार की प्रजातियों के पेड़ मौजूद हैं। पार्क के घने जंगल में सफारी के अलावा उत्तराखण्ड के जंगलों में लम्बी पैदल ट्रैक पर यात्रा करना एक रोमांचकारी अनुभव है।

ट्री हाउसः घने जंगलों के बीच रोमांच का अनुभव करें

अगर आप भी अपने परिवार, दोस्तों या खुद के साथ एकान्त में समय बिताना चाहते हैं तो आपको घने जंगल के बीच रात में एक पेड़ पर रहने का रोमांच मिलेगा। 15 दिसंबर से कोटी पर्यटन जोन स्थित ट्री हाउस पर्यटकों के लिए खोल दिया गया है। यह ट्री हाउस एक ऊंचे पेड़ पर बना लकड़ी का छोटा घर है। इसमें आपको घने जंगल के बीच रात में पेड़ पर रहकर अद्भुत रोमांच मिलेगा।

स्कीइंग

उत्तराखण्ड उत्तर भारत का उभरता हुआ स्कीइंग केन्द्र है। औली, जिसे लोकप्रिय रूप से भारत की स्की राजधानी कहा जाता है, नये और अनुभवी स्कीयर दोनों के लिए उपयुक्त है। यहां दिसंबर से मार्च के बीच भारी बर्फबारी होती है, जिस पर दुनिया भर से स्कीयर स्कीइंग करने आते हैं, यह हिल स्टेशन आधुनिक स्कीइंग सुविधाओं से लैस है। औली के अलावा स्कीइंग के स्थलों में दयारा बुग्याल शामिल है, जिसमें 28-वर्ग किमी ढलान का है। इसके अलावा मुनस्यारी और मुंडाली में स्कीइंग भी की जा सकती है।

माउंटेन बाइकिंग

उत्तराखण्ड माउंटेन बाइकिंग के लिए एक उभरता हुआ स्थल है। यहां के विभिन्न स्थल माउंटेन बाइकिंग के लिए आदर्श और चुनौतीपूर्ण हैं। उत्तराखण्ड में इस लोकप्रिय खेल के लिए नए उभरते और पेशेवर बाइकर्स के लिए ट्रेल्स हैं। वार्षिक माउंटेन टेरेन बाइकिंग चैंपियनशिप, जिसे एशिया की सबसे लम्बी माउंटेन बाइक रेस कहा जाता है, उत्तराखण्ड में आयोजित की जाती है, जो दुनिया भर के प्रतिभागियों को आकर्षित करती है।

स्टारगेज़िंग

स्टारगेज़िंग विज्ञान को जीवन में लाने और हमारी प्राकृतिक दुनिया की सुंदरता का अनुभव करने का एक जादुई तरीका है।
अंतरिक्ष की विशाल छतरी को देखना एक रोमांचकारी अनुभव है जिसका हर कोई आनंद ले सकता है। यदि आप तारों भरे आसमान निहारना पसंद करते हैं, तो उत्तराखण्ड में इस अनुभव को यादगार पलों में परिवर्तित करने के लिए अनेकों स्थल हैं।
राज्य के कुछ स्थान जो स्टारगेज़िंग के स्पष्ट व दृश्य पेश करते हैं, उनमें औली के पास गुरसो बुग्याल, नैनीताल के पास ज्योलिकोट, उत्तरकाशी में केदारकांठा, पिथौरागढ़ में मुनस्यारी, मजखाली (रानीखेत के पास एक छोटा सा गाँव), चकराता और चौकोड़ी से स्टारगेज़िंग का भी आनंद लिया जा सकता है।

ट्रैकिंग

उत्तराखण्ड ऐसे पहाड़ी इलाकों से भरा हुआ है जो राज्य को ट्रैकिंग के लिए देश में सर्वश्रेष्ठ पर्यटक स्थलों में से एक बनाता है। आप यहां अपनी शारीरिक फिटनेस का परीक्षण कर सकते हैं। उत्तराखण्ड अपनी पहाड़ियों में स्थित पगडंडियों और अनछुई भव्यता के कारण यात्रियों का पसंदीदा ट्रैकिंग गंतव्य रहा है। साहसिक व उत्साही लोगों के लिए, उत्तराखण्ड ट्रैकिंग माध्यम से कुछ नया खोजने के लिए अनंत स्थान प्रदान करता है।

पिथौरागढ़ जिले में मुनस्यारी-मर्तोली-मिलम-रालम ग्लेशियर ट्रेक, बागेश्वर जिले में सुंदरढुंगा-पिंडारी-कफनी ग्लेशियर ट्रैक यहां के सबसे लोकप्रिय ट्रैकिंग मार्गों में से एक है।
गढ़वाल क्षेत्र में पंचकेदार ट्रैक सबसे लोकप्रिय ट्रैकिंग मार्गों में से एक है। इसके अलावा, हेमकुंड और रूपकुंड के ट्रैक भी अद्भुत हैं।

उत्तराखण्ड एक उत्कृष्ट फोटोग्राफी गंतव्य

अगर आप खुद को एक फोटोग्राफर मानते हैं, तो उत्तराखण्ड आपको आश्चर्यजनक तस्वीरें लेने के लिए सब कुछ प्रदान कर सकता है चाहे यह धार्मिक हो या रचनात्मक, प्रकृति ने उत्तराखण्ड को बेहतरीन कैनवस प्रदान किया है। उत्तराखण्ड शौकिया और पेशेवर फोटोग्राफरों के लिए फोटो शूट की सबसे अच्छी जगहों में से एक है।
उत्तराखण्ड के कोने-कोने में आपको बर्फ से ढके पहाड़, खिलखिलाती नदियां और फूलों की विभिन्न प्रजातियों से भरे फोटोग्राफी वाले स्थान मिल जाएंगे।
जंगल प्रेमियों के लिए यहां कॉर्बेट टाइगर रिजर्व, राजाजी टाइगर रिजर्व, नंधौर अभ्यारण्य आदि बेहतरीन फोटोग्राफी स्थल हैं जहां आप अपने धैर्य की परीक्षा ले सकते हैं और वन्य जीवन, विभिन्न पक्षियों और प्रकृति के विभिन्न रूपों की अविश्वसनीय तस्वीरें ले सकते हैं और स्वयं को फोटोग्राफी की परीक्षा में बेहतर अंक दिलवा सकते हैं।

डबल इंजन सरकार - बढ़ी विकास की रफ्तार

एक ही लक्ष्य - एक ही सपना
सर्वश्रेष्ठ बने उत्तराखण्ड अपना

पुष्कर सिंह धामी
मुख्यमंत्री

नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री

युवा सपनों को साकार करती सरकार

••• खेलों को मिल रहा बढ़ावा •••

- राज्य में खेल और खिलाड़ियों के प्रोत्साहन के लिए नई खेल नीति लाई गई है।
- स्पोर्ट्स कॉलेज रायपुर को अंतराष्ट्रीय स्तर का स्पोर्ट्स विश्वविद्यालय बनाने हेतु प्रयास किये जा रहे हैं।
- मुख्यमंत्री उदीयमान खिलाड़ी उन्नयन योजना" में 08 से 14 वर्ष के उभरते खिलाड़ियों को ₹1500 प्रतिमाह की खेल छात्रवृत्ति।
- कुल 3900 उभरते खिलाड़ियों जिसमें से 1950 बालकों एवं 1950 बालिकाओं को खेल छात्रवृत्ति दी।
- खेल छात्रावासों के खिलाड़ियों का दैनिक भत्ता ₹175 से बढ़ाकर ₹225 प्रति छात्र किया गया।
- ग्रामीण स्तर पर ओपन जिम के लिये 10 करोड़ रुपए का बजट में प्रावधान।
- क्रिकेटर ऋषभ पंत को उत्तराखण्ड ब्रांड एम्बेसडर के रुप में सम्मानित करने से राज्य में खेल के क्षेत्र में युवाओं को प्रेरणा मिलेगी।

••• युवा प्रतिभा के साथ न्याय •••

- भर्तियों में घोटाले करने वाले दोषियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही। राज्य में पहली बार इतने बड़े पर कार्यवाही की गई।
- उत्तराखण्ड अधीनस्थ आयोग से भर्तियो को राज्य लोक सेवा आयोग को हस्तांतरित।
- राज्य लोक सेवा आयोग द्वारा जारी कैलेण्डर के अनुसार पारदर्शिता के साथ भर्ती प्रक्रिया प्रारंभ।
- वर्तमान में 7 हजार पदों पर भर्ती गतिमान। जल्द 19 हजार पदों पर भी शुरु की जाएगी भर्ती।
- स्वरोजगार के आवेदकों की सुविधा के लिए कैम्प लगाकर एक ही स्थान पर सारी औपचारिकताएं पूरी की जा रही हैं।
- राज्य के युवाओं को देश से बाहर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाने के लिये राज्य में विदेश रोजगार प्रकोष्ठ का गठन।
- संघ लोक सेवा आयोग, एन.डी.ए, सी.डी.एस एवं उसके समकक्ष लिखित परीक्षा पास करने वाले अभ्यर्थी को साक्षात्कार की तैयारी के लिये ₹50 हजार की वित्तीय सहायता।
- अतिथि शिक्षकों का वेतन ₹15 हजार से बढ़ाकर ₹25 हजार किया है।
- शिक्षा मित्रों का मासिक मानदेय ₹15 हजार से बढ़ाकर ₹20 हजार किया गया है।

संकल्प नये उत्तराखण्ड का

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड द्वारा जनहित में जारी
www.uttarainformation.gov.in uttarakhandDIPR DIPR_UK uttarakhand DIPR

सम्पादकीय

चुनौतियों का नया वर्ष

विभिन्न उपलब्धियों एवं राज्यों से भरा वर्ष 2022 अब अतीत बन चुका है। वर्ष 2023 का पदार्पण हो चुका है और इस नए वर्ष के आगमन के साथ ही वैश्विक बीमारी कोविड को लेकर भी चिंताएं बढ़ने लगी है। हालांकि इससे पूर्व के वर्षों में भी जनवरी एवं फरवरी के महीनों में कोरोना का सर्वाधिक असर देखा गया था लेकिन पिछले 1 वर्ष में भारत ने इस बीमारी को लेकर नियंत्रण करने में सफलता प्राप्त की है। पड़ोसी देश चीन में कोरोना के सक्रिय होने के बाद ऐसी संभावना जताई जा रही है कि जनवरी के महीने में भारत के लिए कोरोना को लेकर काफी सतर्क रहने की जरूरत है। हालांकि जिस प्रकार के हालात वर्तमान दौर में हमारे देश में नजर आ रहे हैं वह काफी सुकून प्रदान करने वाले हैं और अभी तक ऐसे कोई बड़े मामले देखने को नहीं मिले हैं जो चीन में मिले कोरोना के हालातों से मिलते जुलते हो। हां इतना जरूर है कि नव वर्ष की खुशियों के साथ यह प्रण भी अवश्य कर लेना चाहिए कि ना केवल कोरोना बल्कि स्वास्थ्य की दृष्टि से वैसे भी सतर्क रहने की जरूरत है। पिछले वर्षों में कोरोना ने विश्व भर की विकास की रफ्तार के पहियों को थाम कर रखा था और भारत भी इससे अटूता नहीं रहा था। व्यापक टीकाकरण अभियान एवं लकडउन के बाद भारत में करुणा पर किसी तरह नियंत्रण किया गया हालांकि बावजूद इसके लाखों लोगों की जान गई और आर्थिक तौर पर भी काफी बड़ी हानि देश को उठानी पड़ी। नए वर्ष पर कुरौन की चुनौती तो देश के सामने है ही साथ ही आर्थिक विकास, आंतरिक एवं बाहरी सुरक्षा शिक्षा तथा रोजगार जैसी समस्याओं से निपटने के लिए इस नव वर्ष पर सरकार क्या नीतियां लाती है इस पर जरूर मंथन होना चाहिए। निश्चित तौर पर भारत के लिए वर्ष 2023 वर्ष चुनावी तैयारियों का भी साल रहेगा क्योंकि 2024 में भारत में नई लोकसभा के चुनाव होने हैं और केंद्र की सत्ता पर राज करने के लिए 2023 साल राजनीतिक उठापटक के साथ-साथ चुनावों की तैयारियां से भी प्रभावित रहेगा। उत्तराखंड की दृष्टि से वर्ष 2023 राज्य के आर्थिक विकास की गति को पटरी पर लाने वाला साल साबित हो सकता है।

साथ ही रोजगार एवं पलायन को लेकर राज्य सरकार सरकारी मशीनरी को किस प्रकार से संचालित करती है यह देखने वाली बात होगी। रोजगार की दिशा में पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया एक बड़ी चुनौती है जबकि पूर्व के घोटालों एवं नकल भर्ती प्रकरण को लेकर जांच का दायरा वर्ष 2023 में कोई ना कोई परिणाम तो जरूर पेश करेगा। राजनीति की बात करें तो प्रदेश मैं भी लोकसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर भाजपा एवं कांग्रेस को अपनी टीम तैयार करनी है। उत्तराखंड की पांचों संसदीय सीटें भाजपा के कब्जे में है और मुख्य मंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में एक बार फिर इन सीटों को बनाए रखने की कांटे भरी राह पर भी भाजपा को चलना है। वहीं कांग्रेस उत्तराखंड में गत विधानसभा चुनाव में उल्लेखनीय प्रदर्शन नहीं कर पाई लेकिन बावजूद इसके लोकसभा चुनावों के लिए कांग्रेसी वर्ष 2023 को गंभीरता से लेने का प्रयास करेगी। अन्य राज्यों की तरह ही उत्तराखंड के लिए भी शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार एक बड़ी चुनौती है जबकि अन्य राज्यों की अपेक्षा प्रातिक आपदाएं कैसे रोकी जाए इस पर भी इस वर्ष राज्य सरकार को और अधिक गंभीरता एवं सतर्कता के साथ कार्य करना होगा।

किस किस का जिक्र कीजिए?

हॉलीवुड की फिल्म 'अवतार' भारत में धूम मचा रही है। भारत की किसी भी भाषा में बनी किसी फिल्म से ज्यादा कमाई हो रही है। लेकिनहम गर्व से विदेशीफिल्म की कमाई के आंकड़े शेयर कर रहे हैं। हमें इस बात की परवाह नहीं होती कि हम क्यों नहीं ऐसी फिल्में बनाते हैं! हमारे कथित शो मैन क्यों ग्रैंड फिल्मों के नाम पर भोंडी फिल्में बनाते हैं, इसकी भी हमें चिंता नहीं। 'अवतार' देखते हुए हम इस बात को लेकर आंदोलित रहते हैं कि अमुक हिंदी फिल्म के अमुक गाने में हीरोइन ने भगवा रंग की बिकनी और हीरो ने हरे रंग की कमीज कैसे पहनी? भारत का फिल्म प्रमाणन बोर्ड तो ऐसा चिंता में रहता ही है।

हरिशंकर व्यास

यह सिर्फ वर्ष 2022 की बात नहीं है, हर साल की बात है। भारत वह देश है जिसे किसी बात से फर्क नहीं पड़ता। साल आते हैं चले जाते हैं। दुनिया एक कदम आगे बढ़ती है, हम जहां खड़े हैं वहीं कदमताल करते हैं या पीछे चले जाते हैं। किसी को कोई चिंता नहीं होती।

हाल में फुटबॉल का विश्व कप हुआ। दुनिया की 32 श्रेष्ठ टीमों ने उसमें हिस्सा लिया। हम कभी उसका हिस्सा नहीं रहे हैं लेकिन कोई बात नहीं है। अगली बार 48 टीमें हिस्सा लेंगी, जिनमें एशिया की आठ टीमें होंगी। तब भी नहीं पहुंचे तो कोई बात नहीं है। दुनिया की दूसरी टीमों को खेलते देख कर तालियां बजाएंगे। हॉकी हमारा राष्ट्रीय खेल है लेकिन उसमें भी ओलंपिक का गोल्ड मेडल भारत ने 42 साल पहले 1980 में जीता था। वह भी तब जब रूस में हुए ओलंपिक आयोजन का पश्चिम के कई देशों ने बहिष्कार किया था। सोचें, 1928 से 1956 तक लगातार छह गोल्ड मेडल जीतने वाला देश 42 साल से गोल्ड नहीं जीत सका। लेकिन किसको क्या फर्क पड़ता है।

हॉलीवुड की फिल्म 'अवतार' भारत में धूम मचा रही है। भारत की किसी भी भाषा में बनी किसी फिल्म से ज्यादा कमाई हो रही है। लेकिनहम गर्व से विदेशीफिल्म की कमाई के आंकड़े शेयर कर रहे हैं। हमें इस बात की परवाह नहीं होती कि हम क्यों नहीं ऐसी फिल्में बनाते हैं! हमारे कथित शो मैन क्यों ग्रैंड फिल्मों के नाम पर भोंडी फिल्में बनाते हैं, इसकी भी हमें चिंता नहीं। 'अवतार' देखते हुए हम इस बात को लेकर आंदोलित रहते हैं कि अमुक हिंदी फिल्म के अमुक गाने में हीरोइन ने भगवा रंग की बिकनी और हीरो ने हरे रंग की कमीज कैसे पहनी? भारत का फिल्म प्रमाणन बोर्ड तो ऐसा चिंता में रहता ही है। केंद्र और राज्य सरकारों के मंत्री भी इस चिंता में रहते हैं। उनकी चिंता देख कर करोड़ों लोग आश्वस्त होते हैं कि देखों उनके चुने हुए लोग उनके भले के लिए काम कर रहे हैं। विधर्मी उनकी भावनाओं को आहत नहीं कर पाएगें।

हॉलीवुड में ऑस्कर की तैयारी चल रही है। हम इस बात से खुश हैं कि हमारे यहां की दो–तीन फिल्में शॉर्ट लिस्ट हुई हैं। लगभग सौ साल के इतिहास में भारत की सिर्फ चार फिल्में शॉर्टलिस्ट हो पाई हैं। लेकिन क्या फर्क पड़ता है। अभी नवंबर के महीने में नोबल पुरस्कारों की घोषणा हुई। हर साल की तरह इस साल भी भारत के किसी वैज्ञानिक, अर्थशास्त्री, साहित्यकार का नाम उसमें नहीं था। आखिरी बार कोई 110 साल पहले भारत को साहित्य का नोबल मिला था। फिर कभी नहीं मिला। रविंद्रनाथ टैगोर हिंदुस्तान में रह कर नोबल हासिल करने वाले पहले व्यक्ति थे और दूसरे व्यक्ति चंद्रशेखर वेंकटरमन थे। इन दोनों को अपने ओरिजिनल काम के लिए नोबल मिला। वेंकटरमन को दुनिया रमन इफेक्ट के लिए जानती है। वे एशिया के पहले व्यक्ति थे, जिसे विज्ञान की किसी शाखा का नोबल मिला था। वह भी अंग्रेजों के राज में 1930 में।

आजादी के बाद न किसी को साहित्य का नोबल मिला और न विज्ञान का। आजादी के बाद मदर टेरेसा और कैलाश सत्यार्थी ही ऐसे थे, जो भारत में रह कर काम कर रहे थे। बाकी जिनको भी नोबल मिला है वे सब विदेश में रह कर किसी विदेशी संस्था के लिए काम करते थे।

इसरो : उपलब्धि से बढ़ीं उम्मीदें

डा शशांक द्विवेदी

वर्ष 2022 में भारत ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र खासकर अंतरिक्ष के क्षेत्र में काफी सफलता हासिल की है।

पिछले एक साल में भारत का अंतरिक्ष क्षेत्र तेजी से बदल रहा है। पिछले दिनों इसरो ने भारत के पहले निजी रकेट शविक्रम-एस का श्रीहरिकोटा में सफल प्रक्षेपण किया था। एक और अभियान में इसरो ने हाल में ही पीएसएलवी-सी54 के जरिए ओशनसैट-3 और आठ लघु उपग्रह- भूटानसैट, पिक्सेल का श्आनंद, ध्रुव अंतरिक्ष के दो थायबोल्ट और स्पेसफ्लाइट यूएसए के चार एस्ट्रोकास्ट-लन्च किए। अक्टूबर महीनें में इसरो ने ब्रिटिश कंपनी वनवेब के लिए 36 त्रिम उपग्रहों को सफलतापूर्वक प्रक्षेपित करके एक बड़ी सफलता हासिल की थी।

इसरो ने अंतरिक्ष के क्षेत्र में काफी सफलता हासिल कर लिया है, लेकिन अब समय आ गया है जब इसरो व्यावसायिक सफलता के साथ अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा की तरह अंतरिक्ष अन्वेषण पर भी ध्यान दे। इसरो को अंतरिक्ष अन्वेषण और शोध के लिए दीर्घकालिक रणनीति बनानी होगी, क्योंकि जैसे-जैसे अंतरिक्ष के क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी अंतरिक्ष अन्वेषण बेहद महवपूर्ण होता जाएगा। इस काम इसके लिए सरकार को इसरो का सालाना बजट भी बढ़ाना पड़ेगा, जो फिलहाल नासा के मुकाबले काफी कम है। भारी विदेशी उपग्रहों को अधिक संख्या में प्रक्षेपित करने के लिए अब हमें पीएसएलवी के साथ-साथ जीएसएलवी रकेट का भी उपयोग करना होगा।

पीएसएलवी अपनी सटीकता के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध है, लेकिन ज्यादा भारी उपग्रहों के लिए जीएसएलवी का प्रयोग अब बहुतायत में करना होगा। वैसे तो भारत के पहले सफल चंद्र मिशन और मंगल मिशन के बाद से ही इसरो व्यावसायिक तौर पर काफी सफल रहा है और इसरों के प्रक्षेपण की बेहद कम लागत की वजह से दुनिया भर के कई देश अब इसरो से अपने उपग्रहों की लांचिंग करा रहे हैं। अंतरिक्ष बाजार में भारत के लिए संभावनाएं बढ़ रही है, इसने अमेरिका सहित कई बड़े देशों का एकाधिकार तोड़ा है। पिछले दिनों दुश्मन मिसाइल को हवा में ही नष्ट करनें की क्षमता वाली इंट-रसेप्टर मिसाइल का सफल प्रक्षेपण इस बात का सबूत है कि भारत बैलेस्टिक मिसाइल रक्षा तंत्र के विकास में भी बड़ी कामयाबी हासिल कर चुका है।

दुश्मन के बैलिस्टिक मिसाइल को हवा में ही ध्वस्त करने के लिए भारत ने सुपरसोनिक इंटरसेप्टर मिसाइल बना कर दुनिया के विकसित देशों की नींद उड़ा दी है। एक समय ऐसा भी था जब अमेरिका ने भारत के उपग्रहों को लांच करने से मन कर दिया था। आज स्थिति ये है

कि अमेरिका सहित तमाम देश खुद भारत के साथ व्यावसायिक समझौता करने को इच्छुक हैं। अब पूरी दुनिया में सेटेलाइट के माध्यम से टेलीविजन प्रसारण, मौसम की भविष्यवाणी और का दूरसंचार का क्षेत्र बहुत तेज गति से बढ़ रहा है और चूंकि ये सभी सुविधाएं उपग्रहों के माध्यम से संचालित होती हैं। इसलिए संचार उपग्रहों को अंतरिक्ष में स्थापित करने की मांग में बढ़ोतरी हो रही है। हालांकि इस क्षेत्र में चीन, रूस, जापान आदि देश प्रतिस्पर्धा में हैं, लेकिन यह बाजार इतनी तेजी से बढ़ रहा है कि यह मांग उनके सहारे पूरी नहीं की जा सकती।

ऐसे में व्यावसायिक तौर पर यहां भारत के लिए बहुत संभावनाएं है। कम लागत और सफलता की गारंटी इसरो की सबसे बड़ी ताकत है जिसकी वजह से स्पेस इंडस्ट्री में आने वाला समय भारत के एकाधिकार का होगा। याद करिए कि नवम्बर 2007 में रूसी अंतरिक्ष एजेंसी रसकसमस ने कहा था कि वह चंद्रयान-2 प्रोजेक्ट में भारत के साथ काम करते हुए इसरो को लैंडर देगा। जनवरी 2013 में लन्चिंग तय थी, लेकिन रूसी अंतरिक्ष एजेंसी रसकसमस लैंडर नहीं दे पाई या नहीं दिया। बाद में भारत ने खुद अपना लैंडर-रोवर बनाया। इस बात से यह साफ हो गया कि हमारे वैज्ञानिक किसी के मोहताज नहीं हैं। वे कोई भी मिशन पूरा कर सकते हैं। अब तो अमेरिका भी अपने सैटेलाइट लन्चिंग के लिए भारत की लगातार मदद ले रहा है, जो अंतरिक्ष बाजार में भारत की धमक का स्पष्ट संकेत है। वास्तव में नियमित रूप से विदेशी उपग्रहों का सफल प्रक्षेपण श्भारत की अंतरिक्ष क्षमता की वैश्विक अभिपुष्टि है। अमेरिका की फ्यूट्रान करपोरेशन की एक शोध रिपोर्ट भी बताती है कि अंतरिक्ष जगत के बड़े देशों के बीच का अंतरराष्ट्रीय सहयोग रणनीतिक तौर पर भी सराहनीय है।

वास्तव में इस क्षेत्र में किसी के साथ सहयोग या भागीदारी सभी पक्षों के लिए लाभदायक स्थिति है। इससे बड़े पैमाने पर लगने वाले संसाधनों का बंटवारा हो जाता है। खासतौर पर इसमें होने वाले भारी खर्च का। यह भारतीय अंतरिक्ष उद्योग की वाणिज्यिक प्रतिस्पर्धा की श्रेष्ठता का गवाह भी है। भारत जल्दी ही चंद्रमा पर अपना तीसरा मिशन चंद्रयान-3 लन्च कर सकता है। चंद्रयान-3य चंद्रयान-2 का उत्तराधिकारी है और यह चंद्रमा की सतह पर सफ्ट लैंडिंग का प्रयास करेगा। इसरो के अनुसार, चंद्रयान-3 से संबंधित टीम का गठन किया जा चुका है और इस मिशन पर सुचारू रूप से कार्य प्रारंभ है। इसरो के अनुसार चंद्रयान-3 का मुख्य उद्देश्य ऐसी खोज करना है जिससे भारत के साथ ही पूरी मानवता को फायदा होगा। इन परीक्षणों और अनुभवों के आधार पर ही भावी चंद्र अभियानों की तैयारी में जरूरी बड़े बदलाव होंगे। ताकि भविष्य के चंद्र अभियानों की नई टेक्नोलजी को बनाने और उन्हें तय करने में मदद मिले। मिशन के मुख्य उद्देश्यों में चंद्रमा पर पानी की मात्रा का अनुमान लगाना, उसके जमीन, उसमें मौजूद खनिजों एवं रसायनों तथा उनके वितरण का अध्ययन करना, उसकी भूकंपीय गतिविधियों का अध्ययन और चंद्रमा के बाहरी वातावरण की ताप-भौतिकी गुणों का विश्लेषण है।

कुल मिलाकर चंद्रयान-3 मिशन भारत के लिए बहुत महवपूर्ण है साथ ही यह मिशन भविष्य में अंतरिक्ष शोध की नई संभावनाओं को भी जन्म देगा। भारत अंतरिक्ष क्षेत्र में नई सफलताएं हासिल कर विकास को अधिक गति दे सकता है। देश में गरीबी दूर करने और विकसित भारत के सपने को पूरा करने में इसरो काफी मदद्गार साबित हो सकता है। अब समय आ गया है जब इसरो व्यावसायिक सफलता के साथ-साथ नासा की तरह अंतरिक्ष अन्वेषण और शोध पर भी ज्यादा ध्यान दे, जिससे की भारत के साथ साथ दुनिया को भी नई दिशा मिल सके।

वास्तव में इस क्षेत्र में किसी के साथ सहयोग या भागीदारी सभी पक्षों के लिए लाभदायक स्थिति है। इससे बड़े पैमाने पर लगने वाले संसाधनों का बंटवारा हो जाता है। खासतौर पर इसमें होने वाले भारी खर्च का। यह भारतीय अंतरिक्ष उद्योग की वाणिज्यिक प्रतिस्पर्धा की श्रेष्ठता का गवाह भी है। भारत जल्दी ही चंद्रमा पर अपना तीसरा मिशन चंद्रयान-3 लन्च कर सकता है। चंद्रयान-3य चंद्रयान-2 का उत्तराधिकारी है और यह चंद्रमा की सतह पर सफ्ट लैंडिंग का प्रयास करेगा। इसरो के अनुसार, चंद्रयान-3 से संबंधित टीम का गठन किया जा चुका है और इस मिशन पर सुचारू रूप से कार्य प्रारंभ है। इसरो के अनुसार चंद्रयान-3 का मुख्य उद्देश्य ऐसी खोज करना है जिससे भारत के साथ ही पूरी मानवता को फायदा होगा। इन परीक्षणों और अनुभवों के आधार पर ही भावी चंद्र अभियानों की तैयारी में जरूरी बड़े बदलाव होंगे। ताकि भविष्य के चंद्र अभियानों की नई टेक्नोलजी को बनाने और उन्हें तय करने में मदद मिले। मिशन के मुख्य उद्देश्यों में चंद्रमा पर पानी की मात्रा का अनुमान लगाना, उसके जमीन, उसमें मौजूद खनिजों एवं रसायनों तथा उनके वितरण का अध्ययन करना, उसकी भूकंपीय गतिविधियों का अध्ययन और चंद्रमा के बाहरी वातावरण की ताप-भौतिकी गुणों का विश्लेषण है।

धनी-मानी लोग जेल में!

आईसीआईसीआई बैंक लोन धोखाधड़ी मामला धीरे-धीरे एक ऐसे कांड के रूप में उभर कर सामने आया है, जिसमें श्जेल रेखा से ऊपर समझे जाने वाले लोग गिरफ्तार किए गए हैं। ताजा गिरफ्तारी वीडियोकन ग्रुप के चेयरमैन वेणुगोपाल धूत की हुई है।

भारत में ऐसा कम ही होता है कि कोराबार जगत के रसूखदार लोगों तक कानून के हा पहुंचे। इसीलिए जब ऐसा होता है, तो सहज यकीन नहीं होता कि सचमुच कानून अपना काम कर रहा है। बहरहाल, आईसीआईसीआई बैंक लोन धोखाधड़ी मामला धीरे-धीरे एक ऐसे कांड के रूप में उभर कर सामने आया है, जिसमें श्जेल रेखा से ऊपर समझे जाने वाले लोग गिरफ्तार किए गए हैं। ताजा गिरफ्तारी वीडियोकन ग्रुप के चेयरमैन वेणुगोपाल धूत की हुई है। इससे पहले चंदा कोचर और उनके पति गिरफ्तार किए जा चुके हैं। आईसीआईसीआई बैंक की सीईओ और प्रबंध निदेशक चंदा कोचर और उनके पति दीपक कोचर को गिरफ्तार किया जा चुका है। सीबीआई ने चंदा कोचर और उनके पति पर 2012 में वीडियोकन समूह को बैंक को दिए गए कर्ज के सिलसिले में गिरफ्तार किया है। 71 साल के धूत को वीडियोकन समूह की कंपनियों को आईसीआईसीआई बैंक से मंजूर ऋण में कथित धोखाधड़ी और अनियमितताओं के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया है। इस मामले में 1,730 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी होने का आरोप है। इल्जाम है कि आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड ने ट्रेंड इलेक्ट्रनिक्स लिमिटेड, सेंचुरी अप्लायंसेज लिमिटेड, कैल लिमिटेड, वैल्यू इंडस्ट्रीज लिमिटेड और इवान फ्रेजर एंड कंपनी इंडिया लिमिटेड को लगभग 3,250 करोड़ रुएये की क्रेडिट सुविधाओं को मंजूरी दी। ये सभी कंपनियां वेणुगोपाल धूत के वीडियोकन ग्रुप से संबंधित थीं। कोचर को करोड़ों रुपए के इस धोखाधड़ी मामले के कारण 2018 में आईसीआईसीआई बैंक में अपने पद से हटना पड़ा था। तब उन्होंने अपने और अपने पति के खिलाफ सभी आरोपों से इनकार किया था। जाहिर है, धूत भी ऐसा ही करेंगे। इसलिए अब इस मामले की जांच कर रही सीबीआई के सामने चुनौती अपने आरोपों को कोर्ट में साबित करने की होगी। यह भी क अनुभव है कि रसूखदार लोगों के खिलाफ अगर कभी जांच एजेंसियां कार्रवाई शुरू भी करती हैं, तो अदालत से ऐसे लोग बच निकलते हैं। बहरहाल, यह अवश्य ध्यान में रखना होगा कि इस कार्रवाई से ऐसा संदेश ना जाए कि कारोबारी जानबूझ कर निशाना बनाए जा रहे हैं। इसलिए सारी कार्यवाही ठोक-बजा कर आगे बढ़ाई जानी चाहिए।

भारत में ऐसा कम ही होता है कि कोराबार जगत के रसूखदार लोगों तक कानून के हा पहुंचे। इसीलिए जब ऐसा होता है, तो सहज यकीन नहीं होता कि सचमुच कानून अपना काम कर रहा है। बहरहाल, आईसीआईसीआई बैंक लोन धोखाधड़ी मामला धीरे-धीरे एक ऐसे कांड के रूप में उभर कर सामने आया है, जिसमें श्जेल रेखा से ऊपर समझे जाने वाले लोग गिरफ्तार किए गए हैं। ताजा गिरफ्तारी वीडियोकन ग्रुप के चेयरमैन वेणुगोपाल धूत की हुई है। इससे पहले चंदा कोचर और उनके पति गिरफ्तार किए जा चुके हैं। आईसीआईसीआई बैंक की सीईओ और प्रबंध निदेशक चंदा कोचर और उनके पति दीपक कोचर को गिरफ्तार किया जा चुका है। सीबीआई ने चंदा कोचर और उनके पति पर 2012 में वीडियोकन समूह को बैंक को दिए गए कर्ज के सिलसिले में गिरफ्तार किया है।

कर्नाटक के साथ कश्मीर में चुनाव!

भाजपा के महासचिव और जम्मू कश्मीर में चुनाव का कामकाज देख रहे तरुण चुघ ने पार्टी कार्यकर्ताओं से जो कहा है उसका लब्बोलुआब यह है कि मई में जम्मू कश्मीर में चुनाव हो सकता है। यानी जब पहाड़ पर बर्फ पिघलनी शुरू होगी तभी राजनीतिक बर्फ भी पिघलेगी और करीब चार साल से स्थगित राजनीतिक प्रक्रिया फिर शुरू होगी। चुघ पहले तेलंगाना के प्रभारी थे, जहां अगले साल चुनाव होना है। लेकिन वहां सुनील बंसल को प्रभारी बनाया गया है और चुघ को जम्मू कश्मीर भेजा गया है तो उससे भी लग रहा है कि तैयारियां चुनाव की दिशा में बढ़ रही हैं।

जम्मू कश्मीर में चुनाव की तैयारियां शुरू हो गईं। परिसीमन का काम पूरा हो गया और मतदाता सूची भी तैयार हो गई। नवंबर में ही बता दिया गया की मतदाता सूची का काम पूरा हो गया और करीब पौने आठ लाख नए वोट जुड़े हैं। पार्टियां मतदाता सूची देख कर अपनी आपत्तियां दर्ज कराएंगी और उस हिसाब से जरूरी बदलाव करके अंतिम सूची जारी हो जाएगी। भाजपा नेताओं ने बताना शुरू कर दिया है कि कब चुनाव होंगे। ध्यान रहे आजकल चुनाव आयोग से पहले भाजपा के नेता ही बता देते हैं कि कब चुनावों की घोषणा होगी और कब तक चुनाव की प्रक्रिम पूरी हो जाएगी। एकाध अपवादों को छोड़ दें तो ज्यादातर समय उनकी बात सही भी साबित हो रही है।

बहरहाल, भाजपा के महासचिव और जम्मू कश्मीर में चुनाव का कामकाज देख रहे तरुण चुघ ने पार्टी कार्यकर्ताओं से जो कहा है उसका लब्बोलुआब यह है कि मई में जम्मू कश्मीर में चुनाव हो सकता है। यानी जब पहाड़ पर बर्फ पिघलनी शुरू होगी तभी राजनीतिक बर्फ भी पिघलेगी और करीब चार साल से स्थगित राजनीतिक प्रक्रिया फिर शुरू होगी। चुघ पहले तेलंगाना के प्रभारी थे, जहां अगले साल चुनाव होना है। लेकिन वहां सुनील बंसल को प्रभारी बनाया गया है और चुघ को जम्मू कश्मीर भेजा गया है तो उससे भी लग रहा है कि तैयारियां चुनाव की दिशा में बढ़ रही हैं। हालांकि अब भी भाजपा के जानकार सूत्र इस मामले पर बहुत उत्साह नहीं दिखाने की बात कर रहे हैं। उनका कहना है कि चुनाव तभी होंगे जब भाजपा अपनी जीत को लेकर आश्वस्त होगी। अगर स्थितियां अनुकूल होंगी और यह लगेगा कि राज्य में भाजपा अपना मुख्यमंत्री बना सकती है तभी चुनाव की घोषणा होगी अन्यथा मौजूदा व्यवस्था चलती रहेगी।

उत्तराखण्ड शासन

आज़ादी का अमृत महोत्सव

एक ही लक्ष्य - एक ही सपना
सर्वश्रेष्ठ बने उत्तराखण्ड अपना

डबल इंजन सरकार, बढ़ी विकास की रफ्तार

21वीं सदी के विकसित भारत के निर्माण के दो प्रमुख स्तंभ हैं। पहला, अपनी विरासत पर गर्व और दूसरा, विकास के लिए हरसंभव प्रयास। आज उत्तराखण्ड, इन दोनों ही स्तंभों को मजबूत कर रहा है। ये दशक उत्तराखण्ड का दशक होगा।

नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री

संकल्प नये उत्तराखण्ड का

- प्रधानमंत्री जी के विज़न के अनुरुप श्री केदारनाथ व श्री बदरीनाथ धाम का पुनर्निर्माण व पुनर्विकास। इस वर्ष रिकार्ड 45 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने चारधाम के दर्शन किये।
- कुमाऊं के पौराणिक मन्दिरों के लिये मानसखण्ड मन्दिर माला की कार्ययोजना।
- होम स्टे योजना से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती।
- चारधाम ऑल वेदर रोड से राहें हुई आसान। टनकपुर-पिथौरागढ़ भी शामिल।
- केंद्र सरकार से पौंटा साहिब-देहरादून, बनबसा-कंचनपुर, भानियावाला-ऋषिकेश, काठगोदाम-लालकुंआ-हल्द्वानी बाईपास और रुद्रपुर बाईपास परियोजनाओं की महत्वपूर्ण सौगात।
- ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल परियोजना पर तेजी से कार्य गतिमान, टनकपुर-बागेश्वर और डोईवाला से गंगोत्री-यमुनोत्री रेललाइन के सर्वे पर सहमति।
- पर्वतीय क्षेत्रों में रोप-वे हेतु पर्वतमाला परियोजना, प्रधानमंत्री जी द्वारा गौरीकुण्ड - केदारनाथ और गोविंदघाट - हेमकुण्ड साहिब रोप-वे का शिलान्यास।
- दूरस्थ व सीमांत क्षेत्रों में 1202 मोबाइल टावर की स्वीकृति।
- जल जीवन मिशन के अंतर्गत राज्य के ग्रामीण क्षेत्र के 7 लाख से अधिक परिवारों को पानी के कनेक्शन।
- दीनदयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना के अंतर्गत गांवों का शत प्रतिशत विद्युतिकरण।
- देहरादून में भव्य सैन्य धाम की स्थापना पर तेजी से काम, राज्य के वीरता पदक से सम्मानित सैनिकों को देय एकमुश्त अनुदान में वृद्धि।
- रानीबाग (हल्द्वानी) स्थित एचएमटी की 45.33 एकड़ जमीन केन्द्र से उत्तराखण्ड को हस्तांतरित।
- प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के अंतर्गत प्रदेश के लगभग 9 लाख 38 हजार किसानों के खातों में लगभग 1767 करोड़ की राशि हस्तान्तरित की जा चुकी है।
- किसानों को तीन लाख रुपए और महिला स्वयं सहायता समूहों को बिना ब्याज के पांच लाख रुपए तक का ऋण।
- कोविड काल से दो साल में 600 से अधिक नये उद्योगों की स्थापना, 35 हजार करोड़ से अधिक का निवेश, 90 हजार से अधिक लोगों को मिला रोजगार।
- वोकल फॉर लोकल के लिये एक जनपद दो उत्पाद योजना लागू।
- समान नागरिक संहिता पर बढ़े कदम, समिति द्वारा ड्राफ्ट पर मंथन।
- भ्रष्टाचार पर रोक लगाने हेतु भ्रष्टाचार मुक्त एप-1064, सभी शिकायतों पर गम्भीरता से एक्शन।
- उत्तराखण्ड राज्य आंदोलनकारियों की पेंशन, वृद्धावस्था, विधवा और दिव्यांगजन पेंशन की राशि में वृद्धि। आंगनबाड़ी और आशा बहनों के मानदेय में बढ़ोतरी।
- स्कूल शिक्षा और उच्च शिक्षा में राज्य में नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति की शुरुआत।
- मुख्यमंत्री बालाश्रय योजनाः आपदा, महामारी एवं दुर्घटना के कारण अनाथ बच्चों की स्कूली शिक्षा की व्यवस्था राज्य सरकार द्वारा।
- आयुष्मान उत्तराखण्ड योजना में सभी परिवारों को 5 लाख रुपये वार्षिक तक के निःशुल्क ईलाज की सुविधा।
- ऊधमसिंहनगर में एम्स का सैटेलाईट सेंटर की केंद्र से सहमति।
- राज्य लोक सेवा आयोग के माध्यम से 7 हजार पदों पर पारदर्शिता के साथ भर्ती प्रक्रिया प्रारंभ। जल्द 19 हजार पदों पर भी शुरु की जाएगी भर्ती।
- "मुख्यमंत्री उदीयमान खिलाड़ी उन्नयन योजना" में 08 से 14 वर्ष के उभरते खिलाड़ियों को 1500 रुपये प्रतिमाह की खेल छात्रवृत्ति।

माननीय प्रधानमंत्री जी ने 21वीं सदी के तीसरे दशक को उत्तराखण्ड का दशक कहा है। हम प्रधानमंत्री जी के विजन के अनुरुप राज्य को हर क्षेत्र में आदर्श राज्य बनाने के लिए विकल्प रहित संकल्प के साथ काम कर रहे हैं।

पुष्कर सिंह धामी
मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड द्वारा जनहित में जारी
www.uttarainformation.gov.in uttarakhandDIPR DIPR_UK uttarakhand DIPR

उत्तराखण्ड शासन
आज़ादी का अमृत महोत्सव
G20
वसुधैव कुटुम्बकम्
ONE EARTH · ONE FAMILY · ONE FUTURE
संकल्प
नये उत्तराखण्ड का
ODTP
ONE DISTRICT TWO PRODUCTS
UTTARAKHAND
नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री
पुष्कर सिंह धामी
मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड
एक जिला-दो उत्पाद योजना से स्थानीय उत्पादों को मिल रही नई पहचान
अल्मोड़ा
बाल मिठाई | अल्मोड़ा ट्वीड
हरिद्वार
गुड़ | शहद
पिथौरागढ़
ऊनी उत्पाद | मुनस्यारी राजमा
बागेश्वर
कॉपर उत्पाद | कीवी आधारित उत्पाद
नैनीताल
ऐपण उत्पाद | फल प्रसंस्करण
रुद्रप्रयाग
मन्दिर अनुकृति | चौलाई आधारित उत्पाद
चमोली
नेटल फाइबर उत्पाद | गुलाब जल
पौड़ी
हर्बल उत्पाद | प्रतीक/कलाकृतियां
टिहरी गढ़वाल
प्राकृतिक फाइबर उत्पाद | टिहरी नथ
चम्पावत
हिमालयी शहद | लौह आधारित उत्पाद
उधमसिंहनगर
मूंज घास उत्पाद | मेंथा तेल
देहरादून
बेकरी उत्पाद | मशरूम
उत्तरकाशी
लाल चावल | सेब से बने उत्पाद
पर्यटक अपने यात्रा व्यय का 5% स्थानीय उत्पादों पर खर्च करें: प्रधानमंत्री
प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए वोकल फॉर लोकल की बात कही है। स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा दिये जाने के उद्देश्य से भारत सरकार द्वारा वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट की शुरुआत की गई।
मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में उत्तराखण्ड सरकार ने इस योजना को वन डिस्ट्रिक्ट टू प्रोडक्ट के रूप में आगे बढ़ाया है। बद्रीनाथ धाम के निकट माणा गांव में आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देशवासियों से अपील की थी कि कहीं भी घूमने जाएं तो अपने यात्रा व्यय का 5 प्रतिशत स्थानीय उत्पादों पर खर्च करें। इससे स्थानीय आर्थिकी में जबरदस्त परिवर्तन देखने को मिलेगा।
किसी भी क्षेत्र की पहचान उसकी भाषा-बोली एवं स्थानीय उत्पादों से होती है, इनको बढ़ावा देने के लिए हर संभव प्रयास किये जाने चाहिए।
सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड द्वारा जनहित में जारी
www.uttarainformation.gov.in uttarakhandDIPR DIPR_UK uttarakhand DIPR

नए साल पर पर्यटकों से गुलजार रहे गंगा तट

ऋषिकेश। नववर्ष के आगमन पर रविवार को तीर्थनगरी ऋषिकेश और आसपास के क्षेत्र के गंगा तट पर्यटकों से गुलजार रहे। नए साल के पहले दिन कड़ाके की ठंड के बीच पर्यटकों ने गंगा में डुबकी लगायी और राफ्टिंग के रोमांच का भी लुत्फ उठाया। होटल, लॉज और कैंप सैलानियों से पैक रहे।

नए साल का जश्न तीर्थनगरी ऋषिकेश में मनाने का क्रेज पर्यटकों में किस कदर दिखा कि रविवार को ऋषिकेश, मुनिकीरेती, रामझूला, लक्ष्मणझूला क्षेत्र में गंगा तटों और सार्वजनिक स्थानों में पर्यटकों की खूब चहल पहल रही। पर्यटकों में ज्यादातर युवा रहे, जो न्यू ईयर सेलिब्रेट करने एक दिन पहले शनिवार को ही ऋषिकेश पहुंच गए थे।दिल्ली, हरियाणा, पंजाब आदि प्रांतों से आए पर्यटक देर रात वर्ष 2022 को विदाई और 2023 के स्वागत में धमाल मचाने के बाद रविवार सुबह होटल, लॉज और कैंप से निकलकर गंगा तटों पर पहुंचे, इससे मुख्य गंगा तटों पर रौनक बनी रही। हरियाणा के रोहतक, दिल्ली के पंजाबी बाग से आए पर्यटकों ने बताया कि यहां प्रकृति के बीच न्यू ईयर सेलिब्रेट करने का आनंद अलग है। बताया कि वे कैंप में ठहरना अधिक पसंद करते हैं, जहां उन्हें प्रकृति का सानिध्य मिलता है। सुबह घने कोहरे और हलकी धूप निकलने से ठंड का प्रकोप भी रहा। ठंड की परवाह किए बगैर पर्यटकों ने राफ्टिंग का भी लुत्फ उठाया। ब्रह्मपुरी से मुनिकीरेती तक गंगा में रंग बिरंगी राफ्टे तैरती नजर आयी। कैंप संचालक वैभव थपलियाल ने बताया कि पिछले साल के मुकाबले इस बार कैंप का कारोबार ठीक रहा। राफ्टिंग संचालक आकाश त्रिपाठी ने बताया कि नए साल के पहले दिन बड़ी संख्या में पर्यटकों ने राफ्टिंग की।

गांवों से निकलने वाले प्लास्टिक कचरे का निस्तारण होगा

नई टिहरी। गांवों से प्रतिदिन निकलने वाले प्लास्टिक कचरे के निस्तारण को लेकर डीएम और सीडीओ की ओर से ब्लॉकों से प्रस्ताव मांगे गये हैं, ताकि गांवों में कचरे का पृथक्कीकरण कर रिसाइकिलिंग प्लांट में भेजा जाएगा। प्लास्टिक के कचरे से विभिन्न उत्पाद तैयार किए जाएंगे। राज्य के शहरी क्षेत्रों की भांति ग्रामीण क्षेत्रों में भी प्लास्टिक कचरे की समस्या कम नहीं है। प्लास्टिक और पालीथिन कचरे के निस्तारण के लिए गांव में भी पहल की जा रही है। भिलंगना के खंड विकास अधिकारी सतीश बडोनी ने बताया कि डीएम के निर्देश पर प्लास्टिक और पॉलीथिन कचरे की स्थिति को लेकर क्षेत्र के आठ से दस गांवों के केंद्र में कचरे के एकत्रीकरण को लेकर शेड बनाने और कांपेक्टर मशीनें लगाने पर विचार चल रहा है।

वाहन चोरी में फरार दस हजार का इनामी गिरफ्तार

विकासनगर। सहसपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत बाइक चोरी में दो साल से फरार चल रहे आरोपी को सहसपुर पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी पर पुलिस ने दस हजार रुपये का इनाम घोषित किया था। आरोपी शातिर किस्म का है। जिसके खिलाफ यूपी के चिलकाना थाने पांच से अधिक मुकदमे चोरी और आर्म्स ऐक्ट के दर्ज हैं। सहसपुर थाने में आयोजित पत्रकार वार्ता में सीओ विकासनगर संदीप नेगी ने मामले का खुलासा करते हुए कहा कि यूपी और उत्तराखंड में चोरी की वारदातों में फरार चल रहा आरोपी पुलिस की गिरफ्त से बचने के लिए इधर–उधर शहरों में भाग रहा था। जिसे मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने हरबर्टपुर क्षेत्र से गिरफ्तार किया है। बताया कि आरोपी इमरान पुत्र ताहिर, निवासी दभेडा कलां, थाना चिलकाना जिला सहारनपुर यूपी ने 27 जून 2021 अपने एक अन्य साथी के साथ मिलकर नंबरपुर गांव से बाइक चोरी की और फरार हो गया था। तब से आरोपी उत्तराखंड पुलिस की पकड़ से बाहर चल रहा था। तब आरोपी को चिलकाना पुलिस ने चोरी की बाइक के साथ गिरफ्तार कर दिया था। लेकिन आरोपी कोर्ट से जमानत लेकर इधर–उधर भागता फिर रहा था। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए चिलकाना पुलिस ने आरोपी पर दस हजार रुपये का इनाम घोषित किया था। जिसे सहसपुर पुलिस ने गिरफ्तार कर दिया है। बताया कि आरोपी को कोर्ट में पेश कर पुलिस ने न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया है।

आयुष क्रिकेट अकादमी ने जीता उद्घाटन मुकाबला

ऋषिकेश। आयुष क्रिक्रेट एकेडमी छिद्दरवाला में रविवार को द्वितीय अंडर–16 डीडी मेमोरियल क्रिक्रेट टूर्नामेंट का आगाज हुआ। पहले दिन आयुष क्रिक्रेट अकादमी और आरआरपाल क्रिक्रेट अकादमी ने मुकाबले जीते। टूर्नामेंट का शुभारंभ डीसीए के जिला सचिव विजय मल्ल ने किया। उन्होंने कहा कि पेशेवर क्रिक्रेट शारीरिक और मानसिक क्षमता से खेला जाता है। बेहतर क्षमता से खेलने वाले की जीत निश्चित होती है। उन्होंने खिलाड़ियों से परिचय लेते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। टूर्नामेंट का पहला मुकाबला आयुष क्रिक्रेट अकादमी और एसेक्स क्रिक्रेट अकादमी दिल्ली के बीच खेला गया। इसमें पहले बल्लेबाजी करते हुए एसेक्स क्रिक्रेट अकादमी ने 43 ओवर मे 7 विकेट खोकर 216 रन का स्कोर बनाया। एसेक्स की तरफ से चिराग ने सर्वाधिक 41 रन बनाये और तनय कौशिक ने 39 रन की पारी खेली। आयुष क्रिक्रेट अकादमी की तरफ से समर्थ ने शानदार गेंदबाजी की और 5 विकेट अपने नाम किए। इसके बाद आयुष क्रिक्रेट अकादमी ने सात विकेट खोकर 217 रन का लक्ष्य प्राप्त कर लिया। इसमें सम्मी ने 95 रन का योगदान दिया। आयुष क्रिक्रेट अकादमी ने यह मुकाबला तीन विकेट से जीता। दूसरा मुकाबला आरआरपाल क्रिक्रेट अकादमी देहरादून और अरावली क्रिक्रेट अकादमी जयपुर के बीच खेला गया।

नशा मुक्त ग्राम पंचायतों को सुशील करेंगे सम्मानित

नई टिहरी। लंबे समय से जनपद टिहरी गढ़वाल में शराब नहीं, संस्कार की मुहिम चलाने वाले समाज सेवी सुशील बहुगुणा ने अब निर्णय लिया है कि जो ग्राम पंचायतें नशामुक्त होंगी। उन्हें सम्मानित करने का काम किया जायेगा।

समाज सेवी सुशील बहुगुणा ने यह बात ल्वेधन हाई स्कूल में बच्चों गर्म वस्त्र वितरण कार्यक्रम के दौरान कही। कहा कि नशा समाज को खोखला करने का काम करता है। इसलिए नशे के खिलाफ उनका शराब नहीं, संस्कार अभियान लंबे समय से जनपद में चल रहा है। जिसका लाभी कई परिवारों को मिला है। हर साल दर्जनों शादियों को अभियान के तहत काकटेल रहित बनाया गया है।

चकराता पहुंचने पर सांसद तीरथ सिंह रावत का जोरदार स्वागत

चकराता में पर्यटन बढ़ने से रोजगार के अवसर विकसित होंगेः रावत

विकासनगर। अपने परिवार के साथ हनोल यात्रा पर निकले पूर्व मुख्यमंत्री एवं गढ़वाल सांसद तीरथ सिंह रावत का चकराता पहुंचने पर कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत किया। उन्होंने कहा की चकराता अत्यंत खूबसूरत हिल स्टेशन है, इसे पर्यटन के मानचित्र पर उचित स्थान मिलना चाहिए। रविवार सुबह गढ़वाल सांसद के चकराता पहुंचने पर स्थानीय कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत किया। उन्होंने कार्यकर्ताओं को नववर्ष की बधाई देते हुए कहा कि जौनसार बावर से उनका बहुत लगाव है। वह समय–समय पर यहां आते रहते हैं। कहा कि कुछ दिन पूर्व वह लाखामंडल गए थे और अब जौनसार बावर के इष्ट देव महासू देवता के दर्शन करने आए हैं। उन्होंने कहा कि चकराता एक बेहद खूबसूरत और अनछुआ हिल स्टेशन है। यहां के प्राकृतिक नजारे स्विट्जरलैंड जैसे हैं। कहा कि चकराता को पर्यटन के क्षेत्र में विकसित करने की मांग को केंद्र सरकार तक पहुंचाएंगे। क्षेत्र में पर्यटन बढ़ेगा तो रोजगार के अवसर स्वतः ही विकसित होंगे। क्षेत्र से युवाओं का पलायन भी रुकेगा। यात्रा के दौरान पूरे रास्ते में कई रिजॉर्ट, होटल बने मिले और कई बन रहे हैं, जो यहां के पर्यटन विकास के लिए अच्छा संकेत हैं। उन्होंने बस स्टैंड पर छावनी परिषद चकराता द्वारा बनाये सेल्फी प्वाइंट की भी प्रशंसा की। छावनी परिषद के सदस्य अनिल चांदना, पूर्व सदस्य मोनिका मेहता ने उनके समक्ष त्यूणी–चकराता–मसूरी–मलेथा राष्ट्रीय राजमार्ग की जर्जर हालत की समस्या रखते हुए टेंडर प्रक्रिया होने के बाद भी इस पर कार्य शुरू न होने की शिकायत की।

सांसद ने इस मामले पर कार्रवाई का आश्वासन दिया। इस दौरान जनजाति मोर्चा के पूर्व प्रदेश महामंत्री गीताराम गौड़, पूर्व दर्जाधारी टीकाराम शाह, श्याम बोरा, सरदार सिंह, मनीष कुकरेजा आदि मौजूद रहे।

पछुवादून में नए साल पर मंदिरों में उमड़े श्रद्धालु

विकासनगर। पछुवादून में नए साल की शुरुआत लोगों ने देव दर्शनों से की। क्षेत्र के मंदिरों में सुबह की आरती के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु उमड़ने शुरू हो गए थे। देव दर्शनों का सिलसिला दिन भर चलता रहा। इससे पूर्व 31 दिसंबर की रात का जश्न शांतिपूर्वक निपटने से नए साल पर पुलिस भी राहत महसूस करती नजर आई। नए साल का स्वागत लोगों ने पूरे उत्साह और उमंग से किया। रविवार को साप्ताहिक अवकाश होने के कारण लोग दिन भर सोशल मीडिया पर बधाई संदेश भेजते रहे। सुबह लोगों ने मंदिर, गुरुद्वारों में जाकर परिवार के लिए खुशहाली की कामना की। छरबा स्थित माता रानी मंदिर और कालसी स्थित काली माता मंदिर में सुबह से ही देव दर्शनों के लिए श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। लोगों ने मंदिरों में भंडारा देकर साल के पहले दिन पुण्य लाभ कमाया। इससे पूर्व शनिवार रात्रि को शहरी क्षेत्रों से ग्रामीण क्षेत्रों तक लोग डीजे की धुन पर थिरकते रहे। मध्यरात्रि को घड़ी की सुई के 12 के अंक पर पहुंची, लोगों ने आतिशबाजी कर एक दूसरे को नए साल की बधाई दी।

किशोर–किशोरी लापता

हरिद्वार। ज्वालापुर क्षेत्र से एक किशोर–एक किशोरी लापता हो गए। परिजन की शिकायत पर हरकत में आई पुलिस ने उनकी तलाश शुरू कर दी है।

क्षेत्र के गांव सराय में किराये पर रहने वाले व्यक्ति ने पुलिस को दी गई जानकारी में बताया कि वह मूलरूप से लक्सर के गांव बसेड़ी का रहने वाला है। बताया कि 28 दिसंबर को उसकी 14 वर्षीय पुत्री दोपहर के वक्त एक दुकान पर सामान लेने गई थी, तब से वह वापस लौटकर नहीं आई। आसपास के क्षेत्र से लेकर रिश्तेदारी में तलाश करने पर भी बेटी का अता पता नहीं चल सका। सामने आया कि उनके पड़ोस में रहने वाले व्यक्ति का पंद्रह वर्षीय बेटा भी लापता है, संभवत दोनों एक साथ गए हैं। कोतवाली प्रभारी आरके सकलानी ने बताया कि दोनों की तलाश तेज कर दी गई है।

नागरिक मंच के लोगों ने नगर की समस्याओं पर चर्चा की

नई टिहरी। नागरिक मंच नई टिहरी के पदाधिकारियों ने बैठक कर नगर की समस्याओं पर चर्चा की। मंच पदाधिकारियों और सदस्यों ने बैठक में चार प्रस्ताव पास कर निराकरण हेतु शासन–प्रशासन को भेजने का निर्णय लिया है। रविवार को नागरिक मंच अध्यक्ष सुंदरलाल उनियाल के नेतृत्व में नई टिहरी के एक निजी होटल में आयोजित बैठक में सभी लोगों ने शासन–प्रशासन से नगर की समस्याओं के निराकरण की मांग की। अध्यक्ष ने बताया कि बैठक में मंच की ओर से निर्णय लिया गया कि चैत्र मास में हिन्दु नव वर्ष धूमधाम मनाया जाऐगा। उन्होंने नगर की सफाई व्यवस्था एंव नगर में लावारिश गौ वंश के लिये उचित व्यवस्था न किये जाने रोष जताया। नगर के कुलणा मार्केट के समीप केंद्रीय विद्यालय की भूमि पर, मोलधार स्थित के ब्लॉक, टीला साहिब गुरुद्वारा के समीप की भूमि पर खेल मैदान बनने, बांध विस्थापितों और प्रभावितों को आवंटित भूमि के समीप अवशेष भूमि का जल्द आवंटन करने, एआरटीओ दफ्तर को बौराड़ी स्थित अन्तर्राज्जीय के खाली भवन और भूमि पर शिफ्ट करने की मांग प्रशासन से की गई।

बैठक में बाद मंच से जुड़े लोगों ने मंच के पूर्व अध्यक्ष भरत सिंह भंडारी के पत्नी के आकस्मिक निधन पर दुख जताते हुये दो मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि दी। बैठक में संरक्षक चंड़ी प्रसाद डबराल, कमल सिंह महर, त्रिलोक चंद रमोला,जगजीत नेगी, नरोत्तम जखमोला, दिवान सिंह नेगी, डॉ.यूएस नेगी, देवेन्द्र नौडियाल, अतीक अहमद, ओम प्रकाश रतूड़ी, किशोरी लाल चमोली, प्रीति सिंह चौहान आदि उपस्थित थे।

देवप्रयाग में क्रिक्रेट टूर्नामेंट आठ जनवरी से

नई टिहरी। शाकम्बरी सोशियल क्लब का 28 वां क्रिक्रेट टूर्नामेंट आठ जनवरी से रूपनगर स्टेडियम कोटी, देवप्रयाग में आयोजित होगा। आयोजक मंडल के पदाधिकारियों ने बताया कि इस बार भी टूर्नामेंट में टिहरी और पौड़ी जिले की कई टीमें प्रतिभाग करेंगी।

जोशी मिले राज्यपाल से, दी शुभकामनायें

देहरादून। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) से राजभवन में कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने मुलाकात कर नववर्ष की शुभकामनाएं दी। राज्यपाल ने भी उन्हें नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर राज्यपाल से वरिष्ठ आईएएस एवं वरिष्ठ आईपीएस अधिकारियों ने भी मुलाकात कर नववर्ष की शुभकामनाएं दी।

राज्यपाल ने भी सभी अधिकारियों को सपरिवार नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए उनके अच्छे स्वास्थ्य और सुख–समृद्धि की कामना की।

राज्यपाल ने कहा कि अधिकारियों को अपनी पूरी प्रशासनिक नेतृत्व क्षमता से कार्य करते हुए प्रदेश को अग्रणी राज्य बनाने की दिशा में काम करना होगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश के समग्र विकास एवं जनसमस्याओं के कार्य समाधान के लिए हरसंभव प्रयास पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने कहा कि नये वर्ष में नई कार्य संस्कृति को विकसित करते हुए अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति के जीवन स्तर को सुधारने का प्रयास किया करें।

उत्तरांचल प्रेस क्लब की नई कार्यकारिणी ने संभाला कार्यभार

देहरादून। उत्तरांचल प्रेस क्लब की नई कार्यकारिणी ने रविवार को कार्यभार ग्रहण कर लिया है। नए अध्यक्ष अजय राणा ने कहा कि सभी वरिष्ठ सदस्यों को साथ लेकर क्लब हित में कार्य किए जाएंगे।

रविवार को एक सादे समारोह में अध्यक्ष अजय राणा, महामंत्री विकास गुसाईं, कोषाध्यक्ष मनीष चंद्र भट्ट, वरिष्ठ उपाध्यक्ष रश्मि खत्री, बालम सिंह तोपवाल, प्रवीन बहुगुणा, मो. फहीम तन्हा, मंगेश कुमार, लक्ष्मी बिष्ट, विनोद पुंडीर, राम अनुज, भगवती प्रसाद कुकरेती ने कार्यभार संभाला।

समस्त राजकीय विद्यालयों में सेनेट्री पैड की उपलब्धता बनाए रखने के निर्देश

देहरादून। मुख्यमंत्री ने प्रदेश के समस्त राजकीय विद्यालयों में सेनेट्री पैड की उपलब्धता बनी रहने के लिए कॉर्पस फण्ड से प्रति विद्यालय 50 हजार रुपये की दर से निधि बनाने की घोषणा की।

रविवार को बनियावाला,प्रेमनगर में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने नेताजी सुभाष चन्द्र बोस छात्रावास का लोकार्पण और बालिकाओं को गणवेश प्रदान के मौके पर यह घोषणा की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने नव वर्ष पर बालिकाओं के साथ केक काटकर उनका उत्साहवर्द्धन किया। उन्होंने छात्रावास का निरीक्षण किया और विभिन्न व्यवस्थाओं का अवलोकन भी किया। मुख्यमंत्री ने प्रदेश के समस्त राजकीय विद्यालयों में पढ़ने वाली छात्राओं के स्वास्थ्य एवं स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए प्रत्येक विद्यालय स्तर पर सेनेट्री पैड की उपलब्धता बनी रहेगी। इसके लिए कॉर्पस फण्ड से प्रति विद्यालय 50 हजार रुपये की दर से निधि बनाई जाएगी। सुभाष चन्द्र बोस छात्रावास बनियावाला एवं गदरपुर का उच्चीकरण किया जाएगा। कक्षा 9वीं से 12वीं तक की छात्राओं को निःशुल्क आवासीय सुविधा के माध्यम से स्कूली शिक्षा दी जाएगी। चम्पावत में नये नेताजी सुभाष चन्द्र बोस आवासीय छात्रावास का निर्माण किया जायेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि नव वर्ष के अवसर पर निर्धन एवं समाज के वंचित वर्ग की बालिकाओं के लिए यह आवासीय छात्रावास का लोकार्पण किया गया है।

इससे इनको रहने के साथ ही पढ़ाई के लिए अच्छा वातावरण मिलेगा। उन्होंने कहा कि राज्य में 11 आवासीय छात्रावास हैं, इनकी और संख्या बढ़ाने के लिए सरकार प्रयासरत है। शिक्षा के माध्यम से ही कोई देश शक्तिशाली एवं समृद्धशाली बन सकता है। राज्य में शिक्षा के गुणात्मक सुधार के लिए राज्य सरकार द्वारा हर संभव प्रयास किये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि देश आजादी के अमृत महोत्सव में प्रवेश कर गया है। आने वाले 25 साल भारत के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। हमारे नौनिहाल भारत का भविष्य हैं। इन नौनिहालों को अच्छी शिक्षा एवं अनुशासन मिले, इस दिशा में सबको प्रयास करने होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत तेजी से प्रगति कर रहा है। आज का नया भारत नए संकल्पों को पूरा करने के लिए अग्रसर है। वैश्विक स्तर पर भारत का मान, सम्मान एवं स्वाभिमान बढ़ा है। राज्य सरकार उत्तराखण्ड के सर्वांगीण विकास को सुनिश्चित करने के साथ–साथ वर्ष 2025 तक उत्तराखंड को देश का ह्लसर्वश्रेष्ठ राज्यह्ल बनाने के अपने ह्लविकल्प रहित संकल्पह्ल की सिद्धि के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

विकासनगरवासी चार घंटे अघोषित बिजली कटौती से रहे परेशान

विकासनगर। नए साल की सुबह भी ऊर्जा निगम की अघोषित बिजली कटौती ने लोगों को परेशान किया। कड़ाके की ठंड में ऊर्जा निगम ने विकासनगर और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में सुबह आठ बजे से लेकर दोपहर 12 बजे तक लगातार चार घंटे की अघोषित बिजली कटौती की। यही नहीं 12 बजे आपूर्ति शुरू होने के बाद से लेकर देर शाम तक बिजली की आंख मिचौनी चलती रही। जिससे लोगों को बिजली के साथ पानी के संकट का भी सामना करना पड़ा। ऊर्जा निगम का कहना है लाइनों में ओवर लोड के कारण कटौती करनी पड़ी। एक ओर जहां सुबह होते ही लोग नए वर्ष का स्वागत नहा–धोकर पूजा–अर्चना करने के साथ तैयारी में जुटे थे। वहीं ऐन मौके पर ऊर्जा निगम ने सुबह आठ बजे बिना किसी सूचना के बिजली का कट मार दिया। लोग काफी देर तक इंतजार करते रहे, लेकिन बिजली नहीं आयी। ऊर्जा निगम ने चार घंटे से अधिक समय तक बिजली की कटौती की। विकासनगर बाजार सहित आसपास के दर्जनों गांवों जीवनगढ़, रसूलपुर, लक्ष्मणपुर, नवाबगढ़, डॉक्टरगंज, केसरबाग, बाबूगढ़, दिनकर विहार, लाइनजीवनगढ़, तेलपुर, अंबाडी, बाडवाला, मेंहूवाला, भोजावाला, पश्चिमीवाला, बालूवाला, बेलावाला, बरोटीवाला, चायबाग, ढकरानी, ढालीपुर, भीमावाला आदि कई क्षेत्रों के ग्रामीण इलाकों में बिजली की आपूर्ति सुबह आठ बजे से लेकर बारह बजे तक पूरी तरह से ठप रही। बिजली आपूर्ति ठप रहने से लोगों के नलों पर पानी की भी आपूर्ति ठप हो गयी। लोग बिजली के साथ–साथ पानी के लिए भी तरसते रहे। नए वर्ष पर मंदिरों में पूजा अर्चना करने के लिए जाने वाले लोगों को नहाना तो दूर पीने के पानी के लिए भी तरसना पड़ा। नये वर्ष के पहले दिन ही बिजली कटौती करने पर लोगों में ऊर्जा निगम के खिलाफ आक्रोश बढ़ गया। स्थानीय लोगों रामनरेश, रमेश चंद्र, सुशील कुमार, रमेश सैनी, कुलदीप रावत, पवन चंद, महिपाल सिंह आदि का कहना है कि ऊर्जा निगम ने साल के शुरुआती दिन में ही लोगों को बिजली पानी के लिए तरसा दिया। लोगों को नहरों व हैंडपंपों से पानी ढोकर प्यास बुझानी पड़ी। इस दौरान बाजार में व्यापारियों का व्यापार प्रभावित रहने के साथ ही सरकारी कार्यालयों में भी कामकाज बाधित रहा।

अपर तुनवाला में नए साल पर विशेष सत्संग का आयोजन

देहरादून। विश्व जागृति मिशन देहरादून मंडल के अपर तुनवाला स्थित आनंद देव लोक आश्रम में नव वर्ष पर विशेष सत्संग का आयोजन किया गया। मिशन के वरिष्ठ उप प्रधान अमर नाथ आहूजा, कैलाश आहूजा को वर्ष में उत्कृष्ट कार्य के लिए शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया।

मिशन के संस्थापक सतगुरु सुधांशु महाराज ने वीडियो प्रोजेक्टर से भक्तों को आशीर्वाद देते हुए कहा, भगवान के प्रति सच्ची श्रद्धा और विश्वास है तो हमारे दुख भी सुख में उसी प्रकार बदल जायेंगे,

जरूरतमंद लोगों को कम्बल वितरित किए

देहरादून। प्रथम महिला श्रीमती गुरमीत कौर ने नववर्ष के पहले दिन आज रायपुर में जरूरतमंद लोगों को कम्बल वितरित किए। उन्होंने जरूरतमंद लोगों से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना। श्रीमती गुरमीत कौर ने मंदिर प्रांगण में 50 से अधिक जरूरतमंद लोगों को कम्बल वितरित किए और सभी से अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखने की सलाह दी।

हमारा प्रयास

ईमानदारी, विकास और विश्वास

उत्तराखण्ड शासन

एक ही लक्ष्य - एक ही सपना

सर्वश्रेष्ठ बने उत्तराखण्ड अपना

पुष्कर सिंह धामी मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड

निरन्तर नये आयाम स्थापित करता उत्तराखण्ड

डबल इंजन की सरकार, बढ़ी प्रदेश में विकास की रफ्तार

- डबल इंजन की सरकार का ही असर है कि जहां 2012 से 2017 के बीच हमें प्रतिवर्ष वार्षिक अनुदान रुपये 5615 करोड़ रुपये प्राप्त होता था वहीं 2017 से 2022 के डबल इंजन युग में औसत वार्षिक अनुदान राशि बढ़ाकर रुपये 11168 करोड़ हो गयी, जो कि डबल इंजन के दौर में डबल राशि है।
- केन्द्र सरकार के सहयोग से उत्तराखण्ड में अनेक उच्च स्तरीय संस्थाएं आए हैं। इनमें ऊधमसिंहनगर में एम्स का सैटेलाईट सेंटर, देश का पहला ड्रोन एप्लीकेशन सेंटर, सीपेट, कोस्ट गार्ड भर्ती सेंटर, सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ऑन नेचुरल फाईबर प्रमुख हैं।
- भारत सरकार के सहयोग से मुक्तेश्वर में डॉप्लर राडार प्रारम्भ। सुरकण्डा/लैंसडौन में भी डाप्लर राडार की स्थापना का कार्य प्रगति पर।
- अमृत योजना अन्तर्गत 07 शहरों में 593 करोड़ रुपए की कुल 151 योजनाएं (सीवरेज, पेयजल योजना, ड्रेनेज, पार्क निर्माण योजना) पर काम चल रहा है।
- राज्य में प्रधानमंत्री आवास योजना में लगभग 55 हजार गरीबों को आवास दिये जाने का लक्ष्य रखा गया है।

समान नागरिक संहिता से आयेगा बदलाव

- उत्तराखण्ड सरकार की पहली कैबिनेट बैठक में निर्णय लिया गया कि राज्य में समान नागरिक संहिता के क्रियान्वयन के लिये विशेषज्ञों की समिति का गठन किया गया है। जो कि उत्तराखण्ड राज्य के लिये यूनिफार्म सिविल कोड का ड्राफ्ट तैयार करेगी।

सुशासन से जन-जन तक पहुंची विकास योजनाएं

- भ्रष्टाचार पर रोक लगाने हेतु भ्रष्टाचार मुक्त एप-1064 का शुभारम्भ किया गया।
- मुख्यमंत्री सन्दर्भों/पत्रों का ऑनलाईन पोर्टल के माध्यम पंजीकरण एवं समयबद्ध निष्पादन प्रणाली का शुभारंभ किया गया। मुख्यमंत्री सन्दर्भों/पत्रों को सीएम हेल्पलाइन 1905 के साथ इंटीग्रेट किया गया है।
- अपणि सरकार पोर्टल, ई-केबिनेट, ई-ऑफिस, सीएम डैश बोर्ड उत्कर्ष, सीएम हेल्पलाईन 1905, सेवा का अधिकार और ट्रांसफर एक्ट की पारदर्शी व्यवस्था के चलते कार्यसंस्कृति में हुआ गुणात्मक सुधार।
- जिला स्तरीय अधिकारियों को भी निर्देश दिये गये हैं कि वे सोमवार से शुक्रवार तक प्रातः 10 बजे से 12 बजे तक अपने कार्यालयों में आम जनता से मिलने के लिये उपलब्ध रहेंगे। अधिकारी व कर्मचारी समय पर कार्यालय आएं, इसके लिये बायोमेट्रिक उपस्थिति अनिवार्य की गई है।
- सरकारी सेवाओं की नागरिकों तक डोर स्टेप डिलीवरी सुनिश्चित करने हेतु हमारी सरकार द्वारा एक नई योजना शुरु की जा रही है।

समाज कल्याण

- उत्तराखण्ड में वृद्धावस्था पेंशन योजना के अंतर्गत अब पात्र पति व पत्नी दोनों को लाभ मिल सकेगा।
- वृद्धावस्था, विधवा और दिव्यांगजन पेंशन की राशि को एक हजार रुपए प्रतिमाह से बढ़ाकर पंद्रह सौ रुपए प्रतिमाह किया गया है।

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड द्वारा जनहित में जारी | www.uttarainformation.gov.in uttarakhandDIPR DIPR_UK uttarakhand DIPR

उत्तराखण्ड शासन

आज़ादी का अमृत महोत्सव

संकल्प नये उत्तराखण्ड का

नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री

डबल इंजन सरकार, बढ़ी विकास की रफ्तार

शिक्षा

- बाल वाटिका के शुभारम्भ के साथ ही उत्तराखण्ड नई राष्ट्रीय नीति की शुरुआत करने वाला देश का पहला राज्य।
- मुख्यमंत्री बालाश्रय योजना: आपदा, महामारी एवं दुर्घटना के कारण अनाथ बच्चों की स्कूली शिक्षा की व्यवस्था राज्य सरकार द्वारा।
- 189 अटल उत्कृष्ट विद्यालयों का संचालन प्रारम्भ।
- इन्स्पायर अवार्ड हेतु नामांकन में विद्यालयवार प्रतियोगिता के आधार पर पूरे देश में उत्तराखण्ड प्रथम स्थान पर।

पर्यटन के साथ संस्कृति का संरक्षण

- प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विजन के अनुरूप केदारनाथ धाम में 750 करोड़ रुपये से पुनर्निर्माण कार्य।
- कुल 2430 करोड़ रुपये लागत के गौरीकुण्ड-केदारनाथ और गोविंदघाट-हेमकुण्ट साहिब रोपवे का शिलान्यास, श्रद्धालुओं का कई घंटो का सफर होगा मिनटों में।
- होम स्टे योजना से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिल रही है। 4 हजार से अधिक होम स्टे रजिस्टर्ड।
- फिल्म शूटिंग के डेस्टिनेशन के रूप में उभरता उत्तराखण्ड। राज्य बेस्ट फिल्म फ्रेंडली स्टेट (स्पेशल मेंशन) अवार्ड से सम्मानित।

सेवा-सुशासन

- गरीब परिवारों को तीन सिलेण्डर मुफ्त के संकल्प को पूरा करने के लिए बजटीय प्रावधान।
- अटल आयुष्मान योजना में 5 लाख रुपये तक का निःशुल्क ईलाज।
- समान नागरिक संहिता पर बढ़े कदम, समिति द्वारा ड्राफ्ट पर मंथन।
- भ्रष्टाचार पर रोक लगाने हेतु भ्रष्टाचार मुक्त एप-1064, सभी शिकायतों पर गंभीरता से एक्शन

निवेशकों की पसंद बन रहा उत्तराखण्ड

- ईज आफ डूईंग बिजनेस-वर्ष 2021 की राज्यों की रैंकिंग में एचीवर्स की श्रेणी।
- इनमें 35 हजार करोड़ से अधिक का निवेश, 90 हजार से अधिक लोगों को मिला रोजगार।
- कासीपुर में एरोमा पार्क (41 एकड़) एवं इलैक्ट्रॉनिक मैन्यूफैक्चरिंग क्लस्टर (102 एकड़), सितारगंज, उधमसिंहनगर में प्लास्टिक पार्क (40 एकड़)।
- वोकल फॉर लोकल के लिये एक जनपद दो उत्पाद योजना लागू।
- बेहतर कानून एवं शांति व्यवस्था, एनसीआर से आसान पहुंच, बेहतर कनेक्टीवी, सस्ती व सुलभ बिजली और दक्ष मानव संसाधन की उपलब्धता उत्तराखण्ड में उद्योगों की राहें आसान बनाती है।

जय जवान-जय किसान

- देहरादून में भव्य सैन्य धाम की स्थापना पर तेजी से काम।
- परमवीर चक्र 30 लाख से 50 लाख, महावीर चक्र 20 लाख से 35 लाख, कीर्ति चक्र 20 लाख से 35 लाख, वीर चक्र और शौर्य चक्र 15 से 25 लाख और सेना गैलेन्ट्री मेडल 07 लाख से 15 लाख करने को मंजूरी।
- प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के अन्तर्गत प्रदेश के लगभग 9 लाख किसानों के खातों में लगभग 1390 करोड़ की राशि हस्तांतरित की जा चुकी है।
- किसानों को तीन लाख रुपये और महिला स्वयं सहायता समूहों को बिना ब्याज के पाँच लाख रुपये तक का ऋण।

मल्टी मॉडल कनेक्टीवीटी

- केदारनाथ, बदरीनाथ, यमुनोत्री और गंगोत्री के साथ ही टनकपुर-पिथौरागढ़ की सड़क कनेक्टीवीटी में सुधार के लिए चारधाम ऑलवेदर सड़क परियोजना पर काफी कुछ काम किया जा चुका है।
- ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल परियोजना पर तेजी से काम चल रहा है। 2024-25 तक पूरी होगी परियोजना।
- जौलीग्रांट एयरपोर्ट को अंतरराष्ट्रीय स्तर का बनाया जा रहा है, नये टर्मिनल का निर्माण।
- उत्तराखण्ड पहला राज्य है जहां उड़ान योजना में हेली सर्विस शुरु की गई।
- प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा गौरीकुण्ड-केदारनाथ और गोविंदघाट-हेमकुण्ट साहिब रोपवे की आधारशिला रखी गई।

युवा सपनों को साकार करती सरकार

- उत्तराखण्ड अधीनस्थ आयोग से भर्तियों को राज्य लोक सेवा आयोग को हस्तांतरित।
- संघ लोक सेवा आयोग, एन.डी.ए., सी.डी.एस. एवं उसके समकक्ष लिखित परीक्षा पास करने वाले अभ्यर्थी को साक्षात्कार की तैयारी के लिए 50 हजार रुपये की वित्तीय सहायता।
- "मुख्यमंत्री उदीयमान खिलाड़ी उन्नयन योजना" में 08 से 14 वर्ष के उभरते खिलाड़ियों को 1500 रुपये प्रतिमाह की खेल छात्रवृत्ति।
- कुल 3900 उभरते खिलाड़ियों जिसमें से 1950 बालकों एवं 1950 बालिकाओं को खेल छात्रवृत्ति दी जाएगी।

पुष्कर सिंह धामी मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड

एक ही लक्ष्य-एक ही सपना

सर्वश्रेष्ठ बने उत्तराखण्ड अपना

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड द्वारा जनहित में जारी

www.uttarainformation.gov.in uttarakhandDIPR DIPR_UK uttarakhand DIPR

केरल के इडुक्की में सड़क दुर्घटना में एक छात्र की मौत, 43 घायल

इडुक्की,(एजेंसी)। केरल के इडुक्की जिले के आदिमाली इलाके में रविवार को पर्यटकों की एक बस सड़क से करीब 100 फुट नीचे गिर गई, जिसमें सवार एक छात्र की मौत हो गयी और 40 छात्रों समेत 43 अन्य घायल हो गए।

वेल्लाथुवाल थाने के एक अधिकारी ने बताया कि घटना देर रात डेढ़ से दो बजे के बीच हुई जब बस तमिलनाडु के पर्वतीय इलाके कोडाइकनाल से आ रही थी। इसमें सवार छात्र 29 दिसंबर को कोडाइकनाल घूमने गए थे। उन्होंने कहा, वे तिरूर में एक क्षेत्रीय आईटीआई संस्थान के छात्र हैं और संस्थान वापस जा रहे थे। अधिकारी ने कहा कि स्थानीय निवासियों, बचावकर्मियों और पुलिस ने घायलों को बस से निकाल कर नजदीकी तालुका अस्पताल पहुंचाया, लेकिन हादसे में 20 वर्षीय युवक की मौत हो गई। हालांकि उसका शव सुबह छह बजे तक बरामद नहीं हो सका, वह वाहन के नीचे फंस गया था।

पुलिस ने कहा कि दुर्घटना के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है, लेकिन सड़क संकरी थी और दुर्घटना उस समय हुई जब बस एक मोड़ से गुजर रही थी। पुलिस ने बताया कि अस्पताल से मिली जानकारी के अनुसार घायलों की हालत फिलहाल गंभीर नहीं है।

दिल्ली में ग्रेटर कैलाश के वृद्धाश्रम में आग, 2 बुजुर्ग महिलाएं जिंदा जलीं

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। दक्षिणी दिल्ली के ग्रेटर कैलाश-2 में एक वृद्धाश्रम में रविवार सुबह आग लगने से दो लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि उन्हें श्अंतरा केयर फर सीनियर्स नामक वृद्धाश्रम में आग लगने की सूचना सुबह 5 बजकर 14 मिनट पर मिली। अग्निशमन विभाग ने कहा कि दमकल की पांच गाडियां मौके पर भेजी गईं और आग पर सुबह 650 बजे तक काबू पा लिया गया। आग बुझाने के अभियान में सहयोग देने वाली पुलिस ने बताया कि आग इमारत की तीसरी मंजिल पर लगी थी। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक, आग पर काबू पाने के बाद तीसरी मंजिल पर पूरी तरह से जली हुई दो लाशें मिलीं। पुलिस उपायुक्त (दक्षिण) चंदन चौधरी ने कहा कि अपराध शाखा और फरेंसिक प्रयोगशाला की टीम को मौके पर बुलाया गया है। उन्होंने बताया कि घटना में झुलसे एक वरिष्ठ नागरिक को मैक्स अस्पताल साकेत में भर्ती कराया गया है, जबकि 12 अन्य बुजुर्गों को अंतरा केयर की ओखला शाखा में स्थानांतरित कर दिया गया है। चौधरी ने कहा कि आग लगने की वजह फिलहाल पता नहीं लग सकी है और घटना की जांच जारी है। रिकार्ड खंगालने के बाद पता चला कि मरने वाली दोनों बुजुर्ग महिलाएं थीं।

वयस्क एक साथ रहने को स्वतंत्र : हाईकोर्ट

प्रयागराज (एजेंसी)। इलाहाबाद उच्च न्यायालय (एचसी) ने कहा है कि दो वयस्क एक साथ रहने के लिए स्वतंत्र हैं और किसी भी व्यक्ति को उनके शांतिपूर्ण शलिव-इन रिलेशनशिप में हस्तक्षेप करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। इस फैसले में कोर्ट ने उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले में एक लड़की के पिता द्वारा दर्ज कराई गई प्राथमिकी को रद्द कर दिया। न्यायमूर्ति सुनीत कुमार और न्यायमूर्ति सैयद वाइज मियां की इलाहाबाद उच्च न्यायालय की एक खंडपीठ ने सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले का हवाला देते हुए कहा कि आपसी सहमति के साथ दो वयस्कों के बीच लिव-इन रिलेशनशिप वैध है। खंडपीठ ने कहा कि एस. खुशबू बनाम कन्नियाम्मल के ऐतिहासिक मामले में शीर्ष अदालत ने कहा है कि लिव-इन रिलेशनशिप भारत के संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत जीवन के अधिकार के दायरे में आता है।

नासिक की फैक्टरी में लगी भीषण आग, दो की मौत और 17 घायल,सोलापुर में भी तीन लोगों की जान गई

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र के नासिक में भीषण हादसे की खबर है। यहां एक फैक्टरी में आग लग गई। कई कर्मचारी फैक्टरी में फंसे हुए थे। अधिकारियों का कहना है कि इगतपुरी तहसील के मुंडेगांव स्थित एक फैक्टरी में भीषण आग लगी। जिसे बुझाने का प्रयास किया जा रहा है।

जानकारी के मुताबिक, विस्फोट इतना जोरदार था कि इसकी आवाज आसपास के गांवों में भी सुनाई दी। आग और धुआं दूर से ही देखा जा सकता था। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने ट्वीट किया कि जिंदल पली फिल्म्स फैक्ट्री में कुछ श्रमिक अब भी फंसे हुए हैं और दमकल विभाग का तलाशी तथा बचाव अभियान जारी है। उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि अब तक 19 लोगों को बचाया गया है। उनमें से 17 को इलाज के लिए एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। तीन की हालत गंभीर है, जबकि दो की मौत हो गई है।

घटना इगतपुरी तालुका में नासिक-मुंबई राजमार्ग के किनारे मुंढेगांव स्थित इकाई में सुबह करीब 1130 बजे हुई, जब कुछ कर्मचारी परिसर में थे। मुंढेगांव नासिक से लगभग 30 किलोमीटर और मुंबई से करीब 130 किलोमीटर दूर स्थित है। अग्निशमन दल, पुलिस और आपदा मोचन बल के जवान मौके पर पहुंचे। मौके पर आग बुझाने के साथ-साथ खोज एवं बचाव अभियान जारी है।

संभागीय राजस्व आयुक्त राधाष्ण गामे ने बताया कि विस्फोट के कारण आग लग गई। आमतौर पर कंपनी में 20 से 25 लोग काम करते हैं, लेकिन यह नए साल का पहला दिन था, इसलिए रविवार को संख्या कम थी। आग लगने के सही कारण का अभी पता नहीं चल पाया है। इसमें कुछ समय लगेगा।

केंद्रीय स्वास्थ्य राज्य मंत्री ड. भारती पवार ने कहा कि राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ), राष्ट्रीय आपदा मोचन बल और राज्य के अधिकारियों को घटना के बारे में सूचित कर दिया गया है। नासिक की रहने वाली मंत्री ने कहा कि एसडीआरएफ के जवान घटनास्थल पर पहुंच गए हैं। उन्होंने कहा कि विभिन्न अस्पतालों - नासिक जिला सिविल अस्पताल, एसएमबीटी अस्पताल और अन्य चिकित्सा संस्थानों (जरूरत पड़ने पर) में 100 बिस्तर तैयार रखे गए हैं। नासिक के पालक मंत्री दादा भुसे ने कहा कि मुख्यमंत्री शिंदे स्थिति

की जानकारी लेने के लिए घटनास्थल का दौरा कर सकते हैं।

केंद्रीय स्वास्थ्य राज्य मंत्री ने बताया कि जिंदल कंपनी की एक पली फिल्म फैक्ट्री के रिएक्टर प्लांट में विस्फोट हो गया। इस घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई और 14 से अधिक लोग घायल हो गए। घायलों को स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बचाव अभियान अभी भी जारी है। उन्होंने बताया कि यहां स्थानीय प्रशासन के अधिकारी और संबंधित मंत्री मौजूद हैं। महाराष्ट्र के सीएम और डिप्टी सीएम स्थिति पर नजर रखे हुए हैं। पली फिल्म फैक्ट्री में आग बुझाने के लिए टीमें तैनात हैं। फैक्टरी में विस्फोट के बाद लगी भीषण आग संभवतरू बयलर के कारण नहीं लगी। महाराष्ट्र सरकार के निकाय, स्टीम बयलर्स निदेशालय के निदेशक धवल अंतापुरकर ने एक बयान में कहा कि इगतपुरी में जिंदल पली फिल्म्स के पांच में से तीन बयलर वेस्ट हीट रिकवरी या थर्मिक फ्लुइड पर चलने वाले थे। इसमें भाप तैयार करने के लिए किसी भी ज्वलनशील पदार्थ का उपयोग नहीं होता है। बाकी दो बयलर छोटे औद्योगिक बयलर प्रकार के हैं, जिसका मतलब है कि संयंत्र के अंदर इनसे आग लगने की न्यूनतम संभावना है।सोलापुर जिले में रविवार को एक पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट के बाद लगी भीषण आग में कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई। तीन लोग घायल भी हुए हैं। पुलिस ने यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि बारशी तालुका के शिराला स्थित इकाई में अपराह्न करीब तीन बजे आग लग गई। पटाखा निर्माण इकाई के अंदर विस्फोट हुआ, जिससे आग लग गई। सूचना मिलने के बाद दमकल और पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे और बचाव अभियान शुरू किया। बार्शी मुंबई से लगभग 400 किमी दूर स्थित है।

ठाणे जिले में एक व्यक्ति ने कथित तौर पर एक गोदाम में आग लगा दी। गनीमत रही कि इस दौरान कोई भी हताहत नहीं हुआ। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि डोंबिविली में शेलार नाका के भरत नगर इलाके में एक डेकोरेटर के गोदाम में शनिवार देर रात करीब 12 बजकर 45 मिनट पर आग लग गई। शिकायत के आधार पर भारतीय दंड संहिता की धारा 435 (नुकसान पहुंचाने के इरादे से आग या विस्फोटक पदार्थ द्वारा शरारत) के तहत अपराध दर्ज किया गया।

तिलक नगर पुलिस स्टेशन के निरीक्षक पांडुरंग टीथे ने बताया कि आग से गोदाम पूरी तरह से जलकर खाक हो गया। इससे करीब 60,000 रुपये का नुकसान हुआ है। पुलिस ने इलाके से सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान की है और आगे की जांच की जा रही है।

पूरे देश में एक जनवरी से लागू हुई मुफ्त राशन योजना

नई दिल्ली, एजेंसी। गरीबों को मुफ्त राशन बांटने की खाद्य सुरक्षा योजना एक जनवरी (रविवार) से देशभर में लागू हो गई। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) के तहत उपभोक्ताओं को मिलने वाले अनाज का अब कोई पैसा नहीं वसूला जाएगा। योजना के अमल को पुख्ता करने के लिए केंद्र व राज्य स्तर के अधिकारियों को मौका मुआयना करने का निर्देश दिया गया है। देभभर में खोली गई 533 लाख राशन की सरकारी दुकानों के मार्फत कुल 8135 करोड़ उपभोक्ताओं को मुफ्त अनाज बांटा जाएगा। यह योजना 31 दिसंबर 2023 तक के लिए है।

इस योजना में किसी तरह की चूक को रोकने के लिए जनवरी के पहले सप्ताह में भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) के महाप्रबंधक स्तर के अधिकारियों को राशन दुकानों का निरीक्षण कर अपनी रिपोर्ट देनी होगी। एनएफएसए में संशोधन करते हुए उपभोक्ताओं को पूरे एक साल तक मुफ्त अनाज देने का यह फैसला प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता वाली आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने पिछले सप्ताह ही लिया था। इसके तहत गरीबों को एकीत खाद्य सुरक्षा योजना के तहत अनाज का वितरण होता रहेगा, लेकिन उनसे कीमतें नहीं वसूली जाएंगी। जबकि खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत बांटे जाने वाले अनाज को रियायती दरों पर दिए जाने का प्रविधान था, जिसमें संशोधित कर अगले सालभर तक के लिए मूल्य को हटा लिया गया है। मालूमह हो कि इससे सरकारी खजाने पर कुल दो लाख करा-ड़ रुपए का बोझ आएगा। मुफ्त अनाज वितरण करने वाले राशन दुकानदारों को दिए जाने वाले खर्च का भी ब्यौरा तैयार कर लिया गया है, जिसका भुगतान खाद्य सब्सिडी से किया जाएगा। इस एकीत खाद्य सुरक्षा योजना का लाभ उन सभी उपभोक्ताओं को पहले ही भांति दिया जाएगा। इस बात का पूरा ध्यान रखा जाएगा कि कहीं कोई उपभोक्ता योजना के दायरे से बाहर न हो जाए। इसके लिए पूरा प्रबंध किया गया है।संशोधित योजना के एक जनवरी से लागू के साथ ही एफसीआई के महाप्रबंधक स्तर के अधिकारियों को पहले सप्ताह में रोजाना कम से कम तीन राशन दुकानों का भौतिक निरीक्षण करना होगा।

दिल्ली-एनसीआर में कोयला सहित अन्य अस्वीकृत ईंधन पर प्रतिबंध प्रभावी

नयी दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली-एनसीआर में उद्योगों और वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों में कोयला सहित अन्य अस्वीत ईंधन के इस्तेमाल पर लगाया गया प्रतिबंध रविवार से प्रभावी हो गया। अधिकारियों ने कहा कि नियमों का पालन नहीं करने वाली इकाइयों को बिना किसी चेतावनी के बंद कर दिया जाएगा।हालांकि, केंद्र सरकार के वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने कहा कि ताप विद्युत संयंत्र में कम सल्फर वाले कोयले का इस्तेमाल जारी रखा जा सकेगा।

यह प्रतिबंध सीएक्यूएम द्वारा पिछले साल जुलाई में जारी व्यापक नीति का हिस्सा है। इस नीति में दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण की रोकथाम के लिए अगले पांच वर्षों की क्षेत्र-ावार कार्य योजनाओं को सूचीबद्ध किया गया है।

अधिकारियों को बिना कोई कारण बताओ नोटिस जारी किए कोयला सहित अन्य अस्वीत ईंधन का इस्तेमाल करने वाले उद्योगों और वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों को बंद करने का निर्देश दिया गया है।

सीएक्यूएम के एक अधिकारी ने बताया कि ऐसी इकाइयों पर भारी जुर्माना भी लगाया जाएगा। उन्होंने कहा कि आयोग ने छह महीने पहले प्रतिबंध की घोषणा की थी, जिससे सभी उद्योगों को स्वच्छ ईंधन प्रणाली अपनाने के लिए पर्याप्त समय मिला था।

अधिकारी ने स्पष्ट किया कि औद्योगिक या वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों द्वारा निजी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए संचालित ताप विद्युत संयंत्रों में भी कम सल्फर वाले कोयले के इस्तेमाल की इजाजत होगी। उन्होंने कहा कि श्श्जहां भी प्राथमिक उद्देश्य बिजली उत्पादन है वहां कम सल्फर वाले कोयले का इस्तेमाल किया जा सकेगा।

अधिकारी के मुताबिक, धार्मिक उद्देश्यों और दाह संस्कार के लिए लकड़ी और जैव ईंधन का उपयोग करने की अनुमति होगी, जबकि होटल, रेस्तरां, बैंक्वेट हल (उत्सर्जन नियंत्रण प्रणाली के साथ), भोजनालयों तथा ढाबों के तंदूर और ग्रिल में लकड़ी या बांस के कोयले को इस्तेमाल में लाया जा सकेगा।

बीजेपी विधायक ने पुलिस अधिकारियों को दी खुली धमकी- सुधर जाओ नहीं तो थाना फूंक दूंगा

कोलकाता । पश्चिम बंगाल के भारतीय जनता पार्टी के विधायक स्वपन मजूमदार ने शनिवार को बनगांव दक्षिण विधानसभा क्षेत्र के तहत एक पुलिस थाने में आग लगाने की धमकी दी। मजूमदार ने उत्तर 24 परगना जिले के अशोक नगर इलाके में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए ये बयान दिया। अपनी रैली के दौरान भाजपा विधायक ने आरोप लगाया कि स्थानीय पुलिस स्टेशन के प्रभारी निरीक्षक (आईसी) और प्रभारी अधिकारी (ओसी) भाजपा कार्यकर्ताओं को परेशान कर रहे थे। उन्हें गिरफ्तार कर रहे थे। वे क्षेत्र में टीएमसी कार्यकर्ताओं को उनके अवैध कार्य करने की अनुमति दे रहे थे। भाजपा विधायकों ने पुलिस अधिकारियों को धमकी भरे लहजे में कहा कि अगर थाने के अधिकारी अपना व्यवहार नहीं बदलते हैं तो वह थाने को जला देंगे।मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, भाजपा विधायक ने कहा कि अशोकनगर थाने के आईसी और ओसी ध्यान से सुनें।

क्रिप्टो को लेकर जी-20 के फैसले का आरबीआइ करेगा इंतजार

केंद्रीय बैंक ने कहा- वैश्विक रणनीति बनाना जरूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रिप्टोकरेंसी को लेकर आरबीआइ के रुख में थोड़ी नरमी आने के संकेत है। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि क्रिप्टोकरेंसी के खतरे को लेकर आरबीआइ के विचार में कोई बदलाव आया है। केंद्रीय बैंक अभी भी यह मानता है कि क्रिप्टोकरेंसी भरोसे के काबिल निवेश विकल्प या वित्तीय परिसंपत्ती नहीं है लेकिन जिस तरह से वह एक वर्ष पहले इसे पूरी तरह से प्रतिबंधित करने का सुझाव दे रहा था वैसे सुझाव अब नहीं दे रहा। आरबीआइ ने पिछले शुक्रवार को जारी वित्तीय स्थायित्व रिपोर्ट में कहा है कि क्रिप्टोकरेंसी को लेकर वैश्विक रणनीति बनने का इंतजार करना चाहिए।

मालूम हो कि भारत अभी जी-20 देशों की अध्यक्षता कर रहा है व इन देशों के बीच क्रिप्टो के नियमन को लेकर विमर्श भी शुरु हो गया है तो केंद्रीय बैंक ने भी इन देशों के बीच एक वैश्विक दृष्टिकोण बनाये जाने की वकालत की है।इस रिपोर्ट में केंद्रीय बैंक ने

क्रिप्टोकरेंसी को अत्याधुनिक तकनीक के आधार पर समर्थन करने वालों को आइना दिखाने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। खास तौर पर जिस तरह से वर्ष 2022 की दूसरी छमाही में क्रिप्टोकरेंसी सेक्टर में और इससे जुड़े सूचकांक में जिस तरह की मंदी आई है और विभिन्न क्रिप्टो की कीमतों में गिरावट आई है उसे आंकड़ों में प्रदर्शित किया है। नवंबर, 2021 के मुकाबले दिसंबर, 2022 में बिटक्वाइन की कीमत में 74 फीसद की गिरावट आई है। दूसरे क्रिप्टो एसेट्स में भी भारी गिरावट हो गई है।

क्रिप्टो के समर्थक अभी तक यह तर्क देते रहे हैं कि जब महंगाई बढ़ती है तो क्रिप्टो की कीमत में तेजी का रुख होता है, इसे भी आरीबाइ ने आंकड़ों के आधार पर गलत साबित किया है और हाल का उदाहरण दिया है कि जब वैश्विक स्तर पर महंगाई में तेजी का रूख था तब भी सभी तरह के क्रिप्टो के मूल्य कम हो रहे थे। आरबीआइ ने इस बात पर भी चिंता जताई है कि किस तरह से कई क्रिप्टो एक्सचेंज बगैर सरकारी नियम कानून के ही अपना पूरा काम कर रहे हैं जैसे वो सौदे करा रहे हैं और उनका सेटलमेंट भी कर रहे हैं। क्रिप्टो में जिस तह से तेजी के गिरावट देखी जा रही है उसको भी केंद्रीय बैंक ने चिंताजनक करार दिया है। आरबीआइ ने इस बात पर चिंता जताई है कि समाज का एक बड़ा युवा वर्ग क्रिप्टो अपना रहा है। दूसरी तरफ क्रिप्टो को लेकर अनिश्चितता बढ़ती जा रही है।

एक राहत की बात यह है कि क्रिप्टो सेक्टर की यह अनिश्चितता वित्तीय सेक्टर के दूसरे क्षेत्रों में नहीं फैली है। असलियत में जो तथ्य सामने आ रहे हैं उससे संकेत मिल रहा है कि क्रिप्टो सेक्टर और दूसरे वित्तीय सेक्टर के बीच बहुत ज्यादा तालमेल नहीं है और दोनो एक दूसरे से अलग है। लेकिन आगे स्थिति बदल सकती है। इसलिए जरूरी है कि एक सामान्य दृष्टिकोण बनाई जाए।

आरबीआइ ने अपनी तरह से तीन विकल्प दिए हैं। इसके जोखिम को लेकर एक ही तरह के नियमन सिद्धांत सभी एक्सचेंजों में अपनाई जाए। दूसरा, विकल्प यह है कि क्रिप्टो एसेट्स को पूरी तरह से प्रतिबंधित कर दिया जाए। समस्या यह है कि विभिन्न देशों में विभिन्न कानून व पद्धति हैं जिसकी वजह से इस काम को करने के लिए काफी समन्वयव करना होगा। तीसरा विकल्प यह है कि इसे अप्रासंगिक कर दिया जाए।

मोबाइल फोन के निर्यात को लेकर मंत्री चंद्रशेखर ने बताया पीएम मोदी का विजन

बोले- इस क्षेत्र में हम बढ़ रहे आगे

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का 2023 का विजन है कि भारत से मोबाइल फोन शीर्ष 10 निर्यात श्रेणी में आने वाले खंड के साथ निर्यात हों। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने यह बात कही। उन्होंने बताया कि इसके लिए इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम को और बेहतर करने के लिए सभी उपाय किए जाएंगे।

चंद्रशेखर ने बताया कि सरकार देश में इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम को बढ़ावा देने के लिए सभी आवश्यक उपाय करेगी और 2023 में मोबाइल फोन निर्माण से परे मैन्युफैक्चरिंग बेस को बढ़ाने पर विचार करेगी। उन्होंने कहा कि 2023 के लिए प्रधानमंत्री मोदी जी का विजन 1 लाख करोड़ रुपये के मोबाइल फोन का निर्यात है, जिसमें शीर्ष 10 निर्यात श्रेणी में मोबाइल फोन शामिल हैं।

भारत मोबाइल फोन निर्यात में लगातार आगे बढ़ रहा है, यहां से मोबाइल निर्यात लगभग 45,000 करोड़ रुपये का है और इसमें दो कंपनियों एप्पल और सैमसंग का दबदबा था।

मंत्री ने कहा कि सरकार मोबाइल फोन से परे इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम को व्यापक बनाने के लिए काम कर रही है ताकि हियरेबल्स और वियरेबल्स सेगमेंट, आईटी हार्डवेयर, इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट्स इत्यादि में हिस्सेदारी बढ़ाई जा सके।

इलेक्ट्रॉनिक्स कंपोनेंट मेकर्स बडी म्ब्ब्छ। की एक स्टडी के मुताबिक, साल 2020-21 में कंपोनेंट्स की मांग लगभग 70 बिलियन डलर (58 लाख करा-ड़ रुपये) के उद्योग के लिए 32 बिलियन अमेरिकी डलर (लगभग 265 लाख करोड़ रुपये) थी और इसमें से बमुश्किल 10 बिलियन अमेरिकी डलर (82,000 करा-ड़ रुपये) के इलेक्ट्रॉनिक्स का निर्माण ज्यादातर आयातित कच्चे माल के साथ स्थानीय स्तर पर किया गया था।जबकि मंत्री ने विशिष्ट उपायों के बारे में विस्तार से नहीं बताया। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि सरकार स्थानीय उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए इससे जुड़ी प्रोत्साहन योजना लाने का विचार कर रही है।मंत्री ने बताया कि हम इकोसिस्टम को व्यापक और गहरा करके अपने मोबाइल फोन की सफलताओं को पूरा करने जा रहे हैं। सेमीकंडक्टर स्पेस में गहन रणनीति रही है। यह बहुत स्पष्ट है कि हम अपने घटक उद्योग में और अधिक करना चाहते हैं। हम मोबाइल फोन के क्षेत्र में आगे बढ़ रहे हैं। हम आईटी सर्वर, आईटी हार्डवेयर, हियरेबल्स और वियरेबल्स सेगमेंट के क्षेत्र में अच्छा करना चाहते हैं।

देश में कोविड के 265 नए मामले आए सामने, 3 और लोगों ने गवाई जान

नई दिल्ली,(एजेंसी)। भारत में पिछले 24 घंटे में कोविड-19 के 265 नए मामले सामने आए हैं।क केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा रविवार सुबह अद्यतन किए गए आंकड़ों के अनुसार देश में संक्रमण के मामले बढ़कर अब 4,46,78,649 हो गए हैं.

मंत्रालय के अनुसार, केरल से दो तथा कर्नाटक में एक व्यक्ति की मौत की जानकारी मिलने के बाद मृतक संख्या बढ़कर 5,30,705 हो गई है. इसने बताया कि दैनिक संक्रमण दर 0.17 प्रतिशत, जबकि साप्ताहिक संक्रमण दर 0.15 प्रतिशत दर्ज की गई है. मंत्रालय के मुताबिक, पिछले 24 घंटे में 1,57,671 नमूनों की कोविड-19 जांच की गई.

स्वास्थ्य मंत्रालय की वेबसाइट के अनुसार, उपचाराधीन रोगियों की संख्या कुल मामलों का 0.01 प्रतिशत है, जबकि मरीजों के ठीक होने की राष्ट्रीय दर बढ़कर 9880 प्रतिशत हो गई है. मंत्रालय ने बताया कि पिछले 24 घंटे में उपचाराधीन मरीजों की संख्या में 947 की कमी आई है

पूरी दुनिया नववर्ष के जश्न में डूबी, रंग-बिरंगी रोशनी से जगमगा उठा आसमान

नई दिल्ली,(एजेंसी)। नए वर्ष 2023 का आगाज हो चुका है, ऐसे में पूरी दुनिया नववर्ष के जश्न में डूबी हुई हैं. भारत समेत दुनिया के कई देशों में नववर्ष का जश्न मनाया जा रहा है. मुंबई के जुहू चौपाटी में शनिवार को लोग नए साल की पूर्व संध्या पर जश्न मनाते देखे गए. पश्चिम बंगाल में भी नए साल पर जमकर जश्न मनाया गयाक्र कोलकाता में सड़कों को सजा दिया गया.देर रात तक सड़कों पर रौनक रही.न्यू ईयर पर पहाड़ों पर रौनक देखने को मिली.

जम्मू- कश्मीर के गुलमर्ग में टूरिस्ट की भारी भीड़ देखने को मिली. लोगों ने यहां मौसम की बर्फबारी का आनंद लेकर न्यू ईयर मनाया. दिल्ली, राजस्थान, पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश समेत कई राज्यों में नववर्ष के मौके पर जश्न मनाया जा रहा है. अस्ट्रेलिया के सिडनी शहर में शानदार आतिशबाजी देखने को मिली. लोगों ने नववर्ष का स्वागत किया है. अस्ट्रेलिया का लैंड डाउन अंडर के नाम से जाना जाता है.

यहां भी आतिशबाजी के साथ नववर्ष का स्वागत किया गया. सिडनी हार्बर के आसपास दर्शकों की भीड़ उमड़ पड़ी. आतिशबाजी से सिडनी ओपेरा हाउस और हार्बर ब्रिज के ऊपर आसमान जगमगा उठासिडनी हार्बर ब्रिज पर नए साल की शाम की आतिशबाजी देखने को मिली. दिलचस्प बात यह है कि बच्चों के उत्साह के लिए पारिवारिक आतिशबाजी की जा रही है. सिडनी में ओपेरा हाउस में आधी रात से तीन घंटे पहले जश्न मनाना शुरू हो गया था.

न्यूजीलैंड में नववर्ष का जश्न शुरू हो गया है. अकलैंड में स्काई टवर पर आतिशबाजी देखने को मिली. लोग अकलैंड में स्काई टवर के नीचे इका। हुए हैं, जहां 2023 का स्वागत करने के लिए आतिशबाजी की जा रही है.ये प्रदर्शन आधी रात से 10 सेकंड पहले शुरू हो जाता है. ये परंपरा कई सालों से चल रही है।न्यूजीलैंड के अकलैंड में नववर्ष 2023 का जश्न मनाया जा रहा है. अकलैंडर्स नववर्ष की खुशियां मनाने वाले दुनिया में पहले लोगों में से हैं.

न्यूजीलैंड ने भी आतिशबाजी और विशाल लाइट शो के साथ नए साल की शुरुआत की.यहां युवाओं ने खूब आतिशबाजी की.युवा एक दूसरे को बधाई दे रहे हैं. और खुशियां मना रहे हैं. न्यूजीलैंड ने 2023 का खुले हाथों से स्वागत किया है।दक्षिण कोरिया के मध्य सियोल में भी नए साल के जश्न की तैयारी है.यहां लोगों में नए साल को लेकर उत्साह देखा गया.

कोरियाई नववर्ष सेओलाल या कोरियाई नववर्ष के दिन मनाते हैं. यह उत्सव आमतौर पर तीन दिनों तक चलते हैं. सियोल आर्ट सेंटर में एक नए साल की पूर्व संध्या संगीत कार्यक्रम का आयोजन किया गया और प्लाजा में आतिशबाजी से आसमान जगमगा उठा. दक्षिण कोरिया के सियोल में भी नए साल का जश्न देखा गया. लोग 2023 को मनाने के लिए बड़ी संख्या में एकत्र हुए थे.लोगों ने शनिवार को सेंट्रल सियोल के ग्वांगह्वामुन चौराहे पर नववर्ष की पूर्व संध्या पर साल के आखिरी दिन का आनंद लिया.

ऋ षभ पंत समेत 5 खिलाड़ी हो सकते हैं आईपीएल से बाहर, मुंबई इंडियंस के सामने डबल टेंशन

नईदिल्ली, इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 16वें संस्करण के मिनी ऑक्शन हाल ही में संपन्न हुए थे। इस ऑक्शन में सैम करन और कैमरून ग्रीन जैसे कई युवा खिलाड़ियों का बोलबाला देखने को मिला था। वहीं लीग के आगामी सीजन से पहले कुछ टीमें इंजरी की समस्या को लेकर परेशान हैं। उसमें से मुंबई इंडियंस लिए टेंशन डबल हो गई है क्योंकि रोहित शर्मा की अगुआई वाली टीम दो स्टार खिलाड़ियों की चोट से चिंतित हैं। वहीं दिल्ली कैपिटल्स अपने कप्तान ऋषभ पंत के भयानक एक्सीडेंट के बाद अलग ही दुविधा में पड़ गई है।

ऋषभ पंत समेत आईपीएल के कुल पांच ऐसे स्टार खिलाड़ी हैं जो आगामी सीजन को मिस कर सकते हैं। उनमें से दोखिलाड़ी मुंबई इंडियंस के हैं। वहीं एक–एक खिलाड़ी पंजाब किंग्स और आरसीबी के हैं। दिल्ली कैपिटल्स उनके खुद कप्तान ऋषभ पंत के एक्सीडेंट के बाद चिंता में पड़ गई है। अब आप नाम सोच रहे होंगे कि ये सभी खिलाड़ी हैं कौन, तो खबर में आगे हम एक–एक करके सब जानेंगे किस खिलाड़ी के ऊपर क्यों आईपीएल मिस करने का खतरा है।

दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान ऋषभ पंत का 30 दिसंबर 2022 की सुबह भयानक एक्सीडेंट हो गया था। इस घटना में वह बुरी तरह घायल हो गए थे। उनके घुटने का लिगामेंट फट गया है, वहीं उनके सिर में और पीठ में भी चोट लगी है। इस घटना के बाद अभी कुछ स्पष्ट नहीं है कि पंत कितने दिन में पूरी तरह फिट होकर मैदान पर लौट पाएंगे। हालांकि, डॉक्टरों के बयान और विशेषज्ञों की राय के मुताबिक लिगामेंट इंजरी में कम से कम 2 महीने और अधिकतम 6 महीने रिकवर होने में लगते हैं। ऐसे में अप्रैल–मई में होने वाले आईपीएल 2023 में ऋषभ पंत के खेलने पर खतरा हो सकता है।

मुंबई इंडियंस के सामने दोहरी दुविधा खड़ी हुई है। टीम अपने स्टार गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की इंजरी (स्ट्रेस फ्रैक्चर) से परेशान ही थी कि अब मिनी ऑक्शन में दूसरे सबसे महंगे बिके ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंड कैमरून ग्रीन की इंजरी ने भी टीम को डरा दिया है। आपको बता दें कि कैमरून ग्रीन को मुंबई इंडियंस ने 17.50 करोड़ की भारी कीमत पर खरीदा था। वह आईपीएल इतिहास के दूसरे सबसे महंगे खिलाड़ी भी बन गए थे, लेकिन साउथ अफ्रीका सीरीज के दौरान उनकी उंगली में फ्रैक्चर हो गया। अब मुंबई इन दोनों खिलाड़ियों की इंजरी को लेकर असमंजस में है। बुमराह भी अभी तक वापसी नहीं कर पाए हैं और ग्रीन का फ्रैक्चर कब तक सही होगा यह देखने वाली बात होगी।

ऑस्ट्रेलिया के स्टार ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल नवंबर के महीने में अपने घर पर ही फिसलने के कारण चोटिल हो गए थे। उनके पैर में फ्रैक्चर हो गया था। इस हादसे के बाद वह अपनी नेशनल टीम से तो लगातार बाहर ही हैं। साथ ही उनके आईपीएल 2023 में अपनी फ्रेंचाइजी रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के लिए खेलने पर भी सस्पेंस बरकरार है। देखना होगा कि कब तब मैक्सवेल वापसी कर पाते हैं। अगर वह आगामी सीजन नहीं खेलते हैं तो यह आरसीबी के लिए बड़ा झटका साबित हो सकता है।

इंग्लैंड के आतिशी बल्लेबाज जॉनी बेयरस्टो ने हाल ही में ऑस्ट्रेलिया में खेले गए टी20 वर्ल्ड कप में भी हिस्सा नहीं लिया था। अक्टूबर 2022 में वर्ल्ड कप से पहले ही गोल्फ खेलते समय बेयरस्टो के पैर में काफी गंभीर चोट लग गई थी। इसके बाद से ही वह क्रिकेट से दूर हैं। इंग्लैंड के आगामी स्क्वॉड में भी वो टीम का हिस्सा नहीं हैं। देखना होगा कि वह कब तक फिट होते हैं। ऐसे में उनके आईपीएल 2023 में अपनी फ्रेंचाइजी पंजाब किंग्स के लिए खेलने पर भी संशय बना हुआ है।

बेहतर नेतृत्व से दक्षिण अफ्रीका की गेंदबाजी में हो सकता है सुधार : चैपल

नई दिल्ली । आस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान इयान चैपल को लगता है कि अगर टीम के नेतृत्व में सुधार किया जा सकता है तो दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाजी आक्रमण को टेस्ट क्रिकेट में बेहतर परिणाम मिल सकते हैं। एमसीजी में बॉक्सिंग डे टेस्ट में, दक्षिण अफ्रीका को आस्ट्रेलियाई टीम द्वारा पारी और 182 रन से हराया गया था, यह 2005/06 के बाद पहली बार हुआ जब प्रोटियाज ने देश में एक टेस्ट श्रृंखला नहीं जीती।

अगस्त–सितंबर में इंग्लैंड से 1–2 की हार के बाद यह दक्षिण अफ्रीका की लगातार दूसरी टेस्ट सीरीज हार है। वे अब सिडनी में चार जनवरी से शुरू होने वाले तीसरे और अंतिम टेस्ट में खेलेंगे।

चैपल ने कहा, हालांकि दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाजी आक्रमण में वास्तविक क्षमता है, उनकी विकेट लेने की क्षमता में काफी सुधार किया जा सकता है। वे अपनी टीम की खराब बल्लेबाजी से परेशान हैं। एक टीम जिसे बार–बार कम स्कोर प्रदान किया जाता है और एक और विफलता के बाद नियमित रूप से गेंदबाजी करनी पड़ती है, जिससे उनका मनोबल गिरता जा रहा है।चैपल ने कहा, कप्तानी की भी बात है। एनरिच नोर्त्जे एक तरफ, बाकी आक्रमण आस्ट्रेलिया में बेहतर नेतृत्व के साथ बेहतर प्रदर्शन कर सकते थे। एल्गर, अपने कई साथी अंतरराष्ट्रीय लीडरों की तरह, आस्ट्रेलियाई पिचों पर कप्तानी के अच्छे जानकार नहीं हैं।चैपल ने रविवार को कहा, गेंदबाजों को पहले यह समझना चाहिए कि खराब गेंदबाजी करने के साथ आस्ट्रेलिया में जीत नहीं मिलेगी। गेंदबाजों को प्रतिभाशाली बल्लेबाजों को अच्छी गेंदबाजी करनी होती है और उनके प्रदर्शन से विरोधियों को अपने विकेट के लिए सतर्क रहना पड़ता है।हालांकि कागिसो रबाडा ने दस विकेट लिए हैं। एनरिच नोर्त्जे दक्षिण अफ्रीका के सबसे प्रभावशाली तेज गेंदबाज रहे हैं, जिन्होंने इस प्रक्रिया में पांच विकेट लेने के दौरान आस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों को अपनी तेज गति से परेशान किया। चैपल ने टिप्पणी की है कि रबाडा के साथ गेंदबाजी की शुरूआत करने और नई गेंद से विकेट चटकाने के लिए लुंगी एनगिडी की तुलना में नोर्त्जे बेहतर गेंदबाज थे।

उन्होंने कहा, केशव महाराज में एक स्पिनर के रूप में अच्छी क्षमता है लेकिन अगर उन्हें एक गेंदबाज के रूप में अकेले ही उपयोग किया जाता है, तो यह एक गलती है। ज्यादातर समय एक कप्तान को दोनों छोर पर विकेट लेने पड़ते हैं।

बीसीसीआई का बड़ा फैसला, वनडे विश्व कप में सिर्फ 20 प्लेयर्स को ही मिलेगा मौका

नई दिल्ली । इस साल होने वाले विश्व कप को देखते हुए बीसीसीआई ने अपनी कमर कस ली है। सचिव जय शाह ने 50 ओवरों के विश्व कप को लेकर एक एक्शन प्लान तैयार किया है। जानकारी के अनुसार बीसीसीआई वनडे फॉर्मेट में 20 खिलाड़ियों का एक पूल तैयार करने जा रही है। विश्व कप के मद्देनजर इन्हीं 20 खिलाड़ियों को टीम में रोटेट किया जाएगा। बात दें कि आज टी20 विश्व कप 2022 में इंडियन क्रिकेट टीम के खराब प्रदर्शन को लेकर रिव्यू मीटिंग हुई जिसके बाद जय शाह ने यह जानकारी दी।

इस बारे में बीसीसीआई द्वारा प्रेस रिलीज कर ये बताया गया कि, पुरुष टीम के फ्यूचर प्लान और विश्व कप 2023 को ध्यान में रखते हुए राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी सभी आईपीएल फ्रेंचाइजी के साथ काम करेगी. आईपीएल 2023 में खेलने वाले कोर क्रिकेटर्स पर नजर रखी जाएगी। उभरते हुए क्रिकेटर्स को घरेलू क्रिकेट में भी खेलना होगा तभी उन्हें राष्ट्रीय टीम में मौका दिया जाएगा। वहीं, यो–यो टेस्ट और डेक्सा टेस्ट क्लियर करने वाले खिलाड़ी को ही आगे मौके दिए जाएंगे। उन्हें बीसीसीआई के सालाना करार में शामिल किया जाएगा।

सेविला ने स्टेड रेनाईस से फ्रेंच डिफेंडर लोइक बाडे के आगमन की घोषणा की

मैड्रिड । स्पेनिश ला लीगा सेविला ने सीजन के अंत तक फ्रेंच डिफेंडर लोइक बाडे के आगमन की घोषणा की है, जिसमें 2023–2024 अभियान के लिए इस कदम को स्थायी बनाने का विकल्प है। 22 वर्षीय बाडे लेफ्ट साइडेड डिफेंडर हैं, जो स्टेड रेनाईस से संबंधित हैं, लेकिन उन्हें गर्मियों में नॉटिंघम फॉरेस्ट को ऋण पर दिया गया था। गर्मियों में एफसी बार्सिलोना और एस्टन विला से जूल्स कुंडे और डिएगो कालीस को खोने के बाद सेविला अपने बचाव को मजबूत करने की कोशिश कर रहा है और एलेक्स टेल्स कई महीनों से घायल है। बाडे 4 जनवरी को कोपा डेल रे के तीसरे दौर के मुकाबले में लिनारेस के खिलाफ जॉर्ज संपाओली की तरफ से पदार्पण कर सकते हैं। सेविला ने शुक्रवार की रात ला लीगा में सेल्टा विगो से 1–1 से ड्रॉ किया ।

ऑस्ट्रेलिया के मुख्य कोच ने कहा, भारत दौरे से पहले अभ्यास मैच की जरूरत नहीं

सिडनी, ऑस्ट्रेलिया के मुख्य कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड का मानना है कि विदेशी दौरों से पहले अभ्यास मैच नहीं खेलने की उनकी रणनीति भारत के खिलाफ फरवरी–मार्च में होने वाली चार मैचों की टेस्ट श्रृंखला में भी कारगर साबित होगी। ऑस्ट्रेलिया का बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी से पहले अभ्यास मैच खेलने की संभावना नहीं है और वह नौ फरवरी से नागपुर में शुरू होने वाले पहले टेस्ट क्रिकेट मैच से एक सप्ताह पूर्व ही भारत आएगा।

मैकडोनाल्ड ने कहा कि भारत जाकर अभ्यास मैच खेलने और परिस्थितियों से सामंजस्य बिठाने से अधिक महत्वपूर्ण मानसिक और शारीरिक रूप से तरोताजा रहना है। ऑस्ट्रेलिया का लक्ष्य 19 साल में पहली बार भारत में श्रृंखला जीतना है।

मैकडोनाल्ड ने कहा, हमने विदेशी दौरों पर पिछली कुछ श्रृंखलाओं में अभ्यास मैच नहीं खेलने की रणनीति अपनाई है। हमें लगता है कि हमारी टीम को इस तरह के मैच अभ्यास की जरूरत नहीं है। हम पहले टेस्ट मैच से एक सप्ताह पूर्व ही भारत जाएंगे। हम तैयारियों पर बहुत अधिक समय खर्च नहीं करना चाहते हैं।

ऑस्ट्रेलिया का पिछले साल मार्च में पाकिस्तान दौरे के समय अपनाई गई इसी तरह की रणनीति कारगर साबित हुई थी और तब उसने तीन मैचों की श्रृंखला 1–0 से जीती थी। ऑस्ट्रेलिया ने इस दौरान मेलबर्न में शिविर में विशेष रूप से तैयार पिचों पर अभ्यास किया और वह रावलपिंडी में खेले गए पहले टेस्ट में से एक सप्ताह पूर्व ही पाकिस्तान पहुंचा था।

मैकडोनाल्ड ने कहा, हमें लगता है कि तैयार होने और चार टेस्ट मैचों की पूरी श्रृंखला के दौरान फिटनेस बरकरार रखने के लिए एक सप्ताह का समय पर्याप्त है। हमने ऐसा करके पाकिस्तान में सफलता हासिल की थी। हमने वहां पहले मैच से पूर्व काफी कम समय बिताया था।ऑस्ट्रेलिया ने इस बार भारत दौरे से पहले उन खिलाड़ियों के लिए सिडनी में तीन दिवसीय शिविर लगाने की योजना बनाई है जो बिग बैश लीग में नहीं खेल रहे हैं।मैकडोनाल्ड ने कहा, हम अपनी परिस्थितियां तैयार कर सकते हैं। हमने पूर्व में पाकिस्तान दौरे से पहले ऐसा किया था। हमने ऐसे विकेट तैयार किए थे जो हमारे उद्देश्य के अनुकूल थे।

उन्होंने कहा, स्थानीय मैदानकर्मियों के साथ काम करने से हमें वास्तव में मदद मिलती है। हमें लगता है कि अभ्यास मैच खेलने के बजाय हमें इससे अधिक सहायता मिल सकती है ।ऑस्ट्रेलिया ने भारत में आखिरी बार 2004–05 में एडम गिलक्रिस्ट की अगुवाई में बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी जीती थी।

फिल्मी गपशप

28 अप्रैल को पर्दे पर आएगी पोन्नियन सेल्वन–2

निर्देशक मणिरत्नम की ब्लॉकबस्टर फिल्म पोन्नियन सेल्वन ने रिलीज होते ही बॉक्स ऑफिस पर कई रिकॉर्ड बनाए।

इस फिल्म को दर्शकों के साथ–साथ समीक्षकों ने भी खूब सराहा। यही वजह है कि इसके दूसरे भाग पोन्नियन सेल्वन 2 की रिलीज डेट आने का भी दर्शकों को बेसब्री से इंतजार था। निर्माताओं ने 28 दिसंबर 2022 को ऐलान कर दिया है कि दूसरा भाग 28 अप्रैल, 2023 को आएगा। आइए जानें फिल्म से जुड़ीं कुछ खास बातें।

महान उपन्यास पोन्नियन सेल्वन पर बनी है फिल्म

पोन्नियन सेल्वन तमिल भाषा का शब्द है, जिसका अर्थ है कावेरी नदी का बेटा। यह एक बेहद लोकप्रिय उपन्यास है, जिसे कल्कि कृष्णमूर्ति ने लिखा। यह लगभग 2,000 पन्नों का ऐतिहासिक उपन्यास है, जिसके कई संस्करण हैं और अंग्रेजी में अनुवाद प्रकाशित किए जा चुके हैं। यह पहली बार 1950 के दशक के दौरान तमिल पत्रिका कल्कि में प्रकाशित हुआ था। वास्तविक ऐतिहासिक घटनाओं और पात्रों से प्रेरित इस उपन्यास के खासतौर से साउथ में बड़ी संख्या में प्रशंसक हैं।

यह मणिरत्नम का ड्रीम प्रोजेक्ट है। वह इस फिल्म पर बीते 28 सालों से काम कर रहे थे। मणिरत्नम ने एक इंटरव्यू में कहा था कि 1994 में उन्होंने इस ऐतिहासिक कहानी को पर्दे पर लाने का मन बनाया था, लेकिन उस वक्त 100 करोड़ रुपये के बजट में फिल्म बनाना बड़ी बात थी। 2010 में जब उन्होंने इसे बनाने की सोची तो लोकेशन के कारण यह अटक गई। फिर आखिरकार 2019 में मणिरत्नम ने इसे बनाना शुरू किया।

1958 में दिवंगत अभिनेता और फिल्ममेकर एमजी रामचंद्रन ने घोषणा की थी कि वह पोन्नियन सेल्वन पर फिल्म बनाएंगे। रामचंद्रन ने उस वक्त 10,000 रुपये में इसके राइट्स भी खरीद लिए थे। वह इसका निर्माण और निर्देशन के साथ खुद ही इसमें अभिनय करने वाले थे, लेकिन इससे पहले कि फिल्म की शूटिंग शुरू होती रामचंद्रन का एक्सिडेंट हो गया और उन्हें ठीक होने में छह महीने लग गए। फिर रामचंद्रन इस फिल्म पर कभी दोबारा काम नहीं कर पाए।

भारतीय इतिहास में जब सबसे लंबे वक्त तक शासन करने वाले राजवंशों का जिक्र होता है तो उसमें चोल राजवंश का नाम सबसे ऊपर होता है। इस फिल्म में चोल साम्राज्य के दौर को दिखाया गया है, जिसने भारत में 1,500 सालों तक राज किया। मणिरत्नम ने जिस खूबसूरती से चोल साम्राज्य की खूबसूरती को पर्दे पर गढ़ा, वो जादूगरी नहीं कारीगरी है। यह कहानी भले ही 1,000 साल पहले की है, लेकिन फिल्म देख आप इससे जुड़ाव महसूस करेंगे।

फिल्म इसलिए भी खास है, क्योंकि इसमें महिला चरित्रों का रूप लावण्य नजर आता है और ये महिला चरित्र आम फिल्मों की तरह नहीं हैं। खासकर ऐश्वर्या राय बच्चन यहां राजवंशों के बीच चलने वाली राजनीति का मोहरा हैं। फिल्म में उनकी सुंदरता और उनकी कुटिलता दोनों आकर्षक हैं। ना सिर्फ उनका रूप–रंग, बल्कि अदाकारी ने भी फिल्म में चार चांद लगाए। फन्ने खां के बाद इस फिल्म के जरिए ऐश्वर्या ने चार साल बाद पर्दे पर धमाकेदार वापसी की।

रवि तेजा की तेलुगु फिल्म क्रैक की हिंदी रीमेक में रणवीर सिंह आएंगे नजर

बॉलीवुड अभिनेता रणवीर सिंह के लिए यह साल अच्छा नहीं रहा है। उनकी हालिया कई फिल्में सिनेमाघरों में नहीं चल पाई। अब सुनने में आ रहा है कि वह साउथ स्टार रवि तेजा की तेलुगु फिल्म क्रैक की हिंदी रीमेक में नजर आएंगे। क्रैक पिछले साल रिलीज हुई थी और इसे दर्शकों की अच्छी प्रतिक्रिया मिली थी। क्रैक की रीमेक में रणवीर मुख्य भूमिका में पर्दे पर नजर आ सकते हैं।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, ऑरिजनल फिल्म के निर्देशक गोपीचंद मलिनेनी इस फिल्म का निर्देशन करेंगे। बताया जा रहा है कि फिल्म को टॉलीवुड के प्रमुख प्रोडक्शन वेंचर मिश्री मूवी मेकर्स और अल्लू अरविंद की गीता आर्ट्स द्वारा प्रोड्यूस किया जाएगा। हालांकि, अभी इस प्रोजेक्ट की आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। बता दें कि हाल में आई सर्कस, 83 और जयेशभाई जोरदार जैसी रणवीर की फिल्मों को बॉक्स ऑफिस पर दर्शकों ने नकार दिया।

ऊंचाई के सिनेमाघरों में 50 दिन पूरे, ओटीटी के दौर में दुर्लभ है आंकड़ा

ओटीटी प्लेटफॉर्म, वेब सीरीज और पैन इंडिया ब्लॉकबस्टर्स के दौर में दुर्लभ ही है कि कोई फिल्म 50 दिन या 100 दिन सिनेमाघरों में पूरे करे। हालांकि, एक ऐसी नई फिल्म है जिसने यह कारनामा कर दिखाया है। सूरज बड़जात्या की फिल्म ऊंचाई ने सिनेमाघरों में 50 दिन पूरे कर लिए हैं। इस फिल्म 140 से ज्यादा स्क्रीन्स पर सफलतापूर्वक चल रही है। ऊंचाई 11 नवंबर को रिलीज हुई थी।

रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म ने अब तक भारतीय बॉक्स ऑफिस पर करीब 27 करोड़ रुपये कमाए हैं। निर्माताओं ने फिल्म को खास स्ट्रैटजी के तहत रिलीज किया था। फिल्म को पहले सीमित सिनेमाघरों में रिलीज किया गया। इसके बाद जैसे–जैसे फिल्म की पब्लिसिटी हुई और इसके दर्शक बढ़े, फिल्म के स्क्रीन बढ़ाते गए। कुछ इसी तर्ज पर 1994 में बड़जात्या की ही फिल्म हम आपके हैं कौन को भी रिलीज किया गया था।

इस फिल्म के साथ सूरज बड़जात्या ने करीब सात साल बाद निर्देशन में वापसी की थी। उनकी

पिछली फिल्म 2015 में प्रेम रतन धन पायो आई थी। फिल्म में अमिताभ बच्चन, बोमन ईरानी, अनुपम खेर, डैनी डेनजोंगपा, नीना गुप्ता, सारिका और परिणीति चोपड़ा जैसे कलाकार दिखाई दिए हैं। खास बात यह है कि राजश्री प्रोडक्शन की इस फिल्म का डिस्ट्रीब्यूशन यशराज फिल्म्स ने किया था। पहली बार यशराज ने राजश्री की किसी फिल्म का डिस्ट्रीब्यूशन किया था।

फिल्म की कहानी तीन दोस्त, अमित (अमिताभ), ओम (अनुपम) और जावेद (बोमन) की है जो अपने दिवंगत दोस्त भुपेन (डैनी) की अस्थियां लेकर एवरेस्ट बेसकैंप पहुंचना चाहते हैं। अमित इस फैसले को लेकर दृढ़ है जबकि ओम इसको लेकर बेहद सशंकित। जावेद को भी यह फैसला प्रैक्टिकल नहीं लगता। खैर, तीनों पूरी तैयारी करके इस सफर पर निकलते हैं। इनके इस सफर के साथ ही फिल्म दोस्ती, रिश्तेदारी, प्यार और परिवार की गहराइयों को भी छूती चलती है।

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
–सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79
फोन/फैक्स 01382–222383
मो. 8445596074,
9412081969
e-mail:
nagendra.uniyal@gmail.com